दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना
RNI-MPHIN/2013/53761
वर्ष-3, अंक-35
इन्दौर, रविवार
1 नवम्बर 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

04 जिलों के 3.69 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को अंतरित की 30 करोड़ से अधिक बोनस राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले को दी 443 करोड़ के कई विकास कार्यों की सौगात

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार 'सच्चा वादा-पक्का काम' के सूत्रवाक्य के साथ प्रदेश में विकास और जनहितैषी कार्यों को लगातार आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में गरीब, किसान, युवा और नारियों के कल्याण के लिए अनेकों कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते शुक्रवार को ही किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की राशि की सौगात मिली है। प्रदेश के किसानों को पर्याप्त बिजली और सिंचाई की सुविधाएं मिल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बैतूल में चार जिलों के 3.69 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 30 करोड़ रुपये से अधिक की बोनस राशि मिली है। यह दक्षिण बैतूल, पश्चिम बैतूल, उत्तर बैतूल, पांढुर्णा (दक्षिण छिंदवाड़ा), पूर्व छिंदवाड़ा, पश्चिम छिंदवाड़ा एवं नर्मदापुरम वन मंडल के तेंदूपत्ता संग्राहकों के अथक परिश्रम के सम्मान और उनके वाजिब हक की राशि है। प्रदेश के तेंदूपत्ता संग्राहकों को अब तक 80 करोड़ रुपए से अधिक राशि दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बैतूल में हुए तेंदूपत्ता संग्राहकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।



प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में बैतूल जिले के लिए निम्न घोषणाएं कीं -
नल जल योजना के कार्यों के लिए 50 करोड़ राशि दी जाएगी।
बैतूल में 15 करोड़ रुपए की लागत से गीता भवन और हाट बाजार बनेगा।
सड़क चौड़ीकरण के लिए 47 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।
बैतूल में 70 करोड़ रुपए की लागत से चार जलाशयों का निर्माण किया जाएगा।
154 करोड़ की लागत से रामघाटी मध्यम सिंचाई परियोजना विकसित की जाएगी।
घोड़ा डोंगरी में बैराज और जलाशय बनाएं जाएंगे।
बैतूल के शासकीय हाईस्कूलों में 50 करोड़ की लागत से सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी।
100 करोड़ रुपए से अधिक लागत से फुटबॉल टर्फ, इनडोर और आउटडोर स्टेडियम बनाएं जाएंगे।
बैतूल में जनजातीय संग्रहालय बनाया जाएगा।
प्रदेश के पहले ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट में 7 करोड़ की लागत से सफारी गेट का निर्माण किया जाएगा।
ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट के पास 3 करोड़ की लागत से बटर फ्लाई पार्क विकसित किया जाएगा।

पुरी के व्यापक अनुभवों का मिलेगा लाभ


फोटो- अजय सोलंकी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राज्यसभा प्रत्याशी एवं केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मध्यप्रदेश विधानसभा पहुंचकर अपना नामांकन पत्र पीठासीन अधिकारी को प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा में कहा कि सभी के लिए प्रसन्नता और सौभाग्य का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश को पुरी जैसे अनुभवी, वरिष्ठ और कुशल नेतृत्व का साथ मिलने जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री पुरी भारत सरकार में कुशल प्रशासक के रूप में विशिष्ट पहचान रखते हैं। उनका व्यापक प्रशासनिक अनुभव और कार्य कुशलता निश्चित रूप से केंद्र सरकार के साथ-साथ प्रदेश के विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होगी तथा उनके अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से केन्द्रीय मंत्री पुरी की सफलता के लिए प्रार्थना की तथा पुरी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने इसरो को दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार रात अपने जीएसएलवी-एफ18 रॉकेट के जरिए एनवीएस-03 नेविगेशन सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण किया। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से हुए इस प्रक्षेपण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। उन्होंने इसे भारत की स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन प्रणाली एनएवीएलसी को मजबूत करने और महत्वपूर्ण तकनीकों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में अहम कदम बताया।

मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

एकता नगर में 400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत



अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर गुजरात के एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई। प्रधानमंत्री ने एकता नगर में 400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को देश की एकता और अखंडता का प्रतीक बताते हुए उन्हें नमन किया। इसके बाद उन्होंने एकता नगर में विकसित विभिन्न पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। मोदी ने रेन फॉरेस्ट और वामन वृक्ष वाटिका का भी दौरा किया। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुरू की गई विकास परियोजनाओं में सीवेज और जल शोधन संयंत्र, प्रकाश व्यवस्था, नर्मदा घाट का विकास, आईआरसीटीसी होटल तथा रेनफॉरेस्ट, यूनिटी ट्रेल और इको ट्रेल जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

दिल्ली रैली का राहुल गांधी ने रूट मैप किया साझा, कनॉट प्लेस से होगी शुरु

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1 नवंबर यानी रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की अहम रैली का रूट मैप साझा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी देते हुए सभी नागरिकों से इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। यह रैली मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन द्वारा किए जा रहे सांकेतिक 'जन महाभियोग' का एक हिस्सा है, जिसमें चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की जा रही है।

राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए रूट मैप के मुताबिक यह रैली कनॉट प्लेस से शुरू होगी, मिंटो रोड जंक्शन और अजमेरी गेट से होते हुए रामलीला मैदान तक पहुंचेगी। इस रैली में हजारों की संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। हाल ही में हुई बारिश के कारण रामलीला मैदान में पानी भर गया था, लेकिन युद्धस्तर पर किए गए काम के बाद मैदान को रैली के लिए पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है।

रविवार को बाजार बंद रहते हैं फिर व्यापारियों को नुकसान कैसा

दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा नेताओं की ओर से रैली के कारण व्यापारियों और आम लोगों को होने वाली संभावित परेशानी का मुद्दा उठाए जाने पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की चांदनी चौक में हुई रैली का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि जब बुधवार को बाजार खुले थे, तब भाजपा की रैली से व्यापारियों को नुकसान नहीं हुआ तो रविवार को बाजार बंद रहने के बावजूद विपक्ष की रैली से नुकसान कैसे होगा?

महाराष्ट्र में दो बार कांपी धरती

नई दिल्ली। भारत में शनिवार को भूकंप के झटके लगे। महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार की आधी रात को धरती दो बार कांपी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक पहला भूकंप रात 12 बजकर 54 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई। इसके बाद रात 1 बजकर 30 मिनट पर एक बार फिर झटके लगे और इस दूसरे भूकंप की तीव्रता 2.1 मापी गई। दोनों भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र के पालघर में ही था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में आए इन दो भूकंपों के अलावा अफगानिस्तान, चीन के तिब्बत क्षेत्र, म्यांमार और बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए यानी कुछ ही घंटों में एशिया के अलग-अलग हिस्सों में धरती कांपी।

ब्रिटेन में बस सकते हैं भारत में रह रहे विदेशी शरणार्थी

कम्युनिटी, रोजगार और शिक्षा के जरिए मिलेगी स्पॉन्सरशिप, भारतीय नागरिक इस योजना के दायरे में नहीं



तीन माध्यमों से मिलेगी स्पॉन्सरशिप

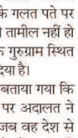
नई दिल्ली। ब्रिटेन सरकार ने भारत समेत सात देशों में रह रहे शरणार्थियों को अपने यहां बसाने के लिए तीन नए सुरक्षित और कानूनी रास्ते शुरू करने की घोषणा की है। इस योजना का उद्देश्य अवैध तरीकों से ब्रिटेन पहुंचने वाले शरणार्थियों को हतोत्साहित करना और उन्हें कानूनी माध्यम से वहां बसने का अवसर देना है।

यह योजना भारत, बांग्लादेश, मिस्र, केन्या, मलेशिया, पाकिस्तान और युगांडा में रह रहे शरणार्थियों के लिए है। इसके लिए संबंधित व्यक्ति का संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के तहत पंजीकृत होना अनिवार्य है। भारत में यह सुविधा केवल उन विदेशी शरणार्थियों को मिलेगी, जो यहां रह रहे हैं। इनमें तिब्बती, श्रीलंकाई तमिल, अफगान और म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थी शामिल हो सकते हैं। भारत के मूल नागरिक इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

ब्रिटेन सरकार के शरणार्थियों को बसाने के लिए तीन रास्ते तय किए हैं। कम्युनिटी स्पॉन्सरशिप के तहत ब्रिटेन की सामाजिक संस्थाएं और चैरिटी संगठन शरणार्थियों को अपने यहां बसाने के लिए प्रायोजन कर सकेंगे। रोजगार के रास्ते में ब्रिटिश कंपनियां और नियोक्ता नौकरी देकर उन्हें स्पॉन्सर कर सकेंगे। वहीं, शिक्षा के माध्यम से ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज शरणार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रायोजित कर सकेंगी।

ध्रुव राठी के खिलाफ कोर्ट का नया जमानती वारंट

नई दिल्ली। यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में दिल्ली की एक अदालत ने नया जमानती वारंट जारी किया है। यह शिकायत विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडे ने दर्ज कराई है। अदालत ने पाया कि 17 अक्टूबर को जारी किया गया पिछला वारंट ऑस्ट्रिया के गलत पते पर भेजा गया था, जिसके कारण उसकी तामील नहीं हो सकी। अब अदालत ने ध्रुव राठी के गुरुग्राम स्थित पते पर नया वारंट भेजने का निर्देश दिया है।



सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि ध्रुव राठी भारत छोड़ चुके हैं। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि जब वह देश से बाहर जा चुके हैं तो नए वारंट को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है? अदालत ने पूछा, अब इसमें जल्दबाजी का क्या लॉजिक है? मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी। उस दिन अदालत आगे की कार्रवाई पर विचार करेगी।

आशुतोष दीक्षित ने संभाली वायुसेना प्रमुख की कमान

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख (चीफ ऑफ द एयर स्टाफ) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह का स्थान लिया, जो अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद इसी दिन सेवानिवृत्त हो गए।

रक्षा मंत्रालय ने 6 अक्टूबर 2026 को आशुतोष दीक्षित की नियुक्ति की घोषणा की थी। वायुसेना प्रमुख बनने से पहले वे वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ के पद पर कार्यरत थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वायुसेना की रणनीतिक और परिचालन तैयारियों के लिहाज से उनका कार्यभार संभालना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति की घोषणा करते समय उनके लंबे सैन्य अनुभव और विभिन्न जिम्मेदारियों का उल्लेख किया था।

फाइव स्टार होटल के स्विमिंग पूल में करंट से दो विदेशी नागरिकों की मौत

बचाने की कोशिश कर रहे अमेरिकी पर्यटक और लाइफगार्ड भी हुए घायल

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के हलसूरु स्थित प्रतिष्ठित पांच सितारा कॉनराड होटल में शुक्रवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। होटल की तीसरी मंजिल पर बने स्विमिंग पूल में करंट लगने की आशंका के बीच दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। उन्हें बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी पर्यटक और होटल का लाइफगार्ड भी घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय स्विमिंग पूल में मौजूद जर्मनी और स्लोवाकिया के दो नागरिक संदिग्ध परिस्थितियों में करंट की चपेट में आ गए। शुरुआती जांच में बिजली का करंट लगना मौत की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद ही हो सकेगी। हादसे के दौरान दोनों विदेशी नागरिकों को बचाने की कोशिश में 41 वर्षीय अमेरिकी नागरिक मैथ्यू डेमेंटिस और 28 वर्षीय राहुल तिवारी भी घायल हो गए। मैथ्यू होटल में ठहरे हुए अमेरिकी पर्यटक हैं, जबकि राहुल तिवारी कॉनराड होटल में पूल अटेंडेंट और लाइफगार्ड के रूप में काम करते हैं। दोनों घायलों को तत्काल मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, उनकी हालत खतरे से बाहर है। बेंगलुरु पूर्वी डिवीजन के डीसीपी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा बढ़ाई गई

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करते हुए अमेरिकी सेना ने फ्लोरिडा स्थित उनके मार-ए-लागो आवास और पास के डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर दिया है। यह विशेष तैनाती मुख्य रूप से ड्रोन हमलों के खतरे और ईरान की ओर से पहले मिल चुकी धमकियों को ध्यान में रखते हुए की गई है। हालांकि अमेरिकी सेना ने इस कदम के पीछे किसी तात्कालिक विशेष खतरे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने निर्माण कार्यों पर लगाई रोक...



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बढ़ती आशंका को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

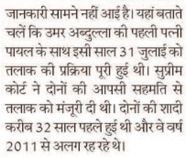
आयोग ने 5 से 20 नवंबर तक प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई प्रतिबंधात्मक उपाय लागू करने का आदेश दिया है। इसके तहत पूरे एनसीआर में धूल पैदा करने वाली निर्माण और ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर रोक रहेगी। इसके अलावा सरकारी और निजी कार्यालयों में अधिकतम 50 प्रतिशत कर्मचारियों को ही कार्यालय बुलाने का निर्देश दिया गया है। शेष कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। सीएक्यूएम के आदेश के अनुसार, ये प्रतिबंध दिल्ली के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, गाजियाबाद और नोएडा सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में लागू होंगे। निर्माण और ध्वस्तीकरण से जुड़ी ऐसी गतिविधियां, जिनसे धूल का उत्सर्जन होता है, 5 नवंबर से 20 नवंबर तक बंद रहेंगी।

उमर ने तस्वीरें साझा कर लिखा कल एक नई शुरुआत हुई...

निधि राजदान से शादी की चर्चा, तीन महीने पहले हुआ पायल से तलाक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व पत्रकार निधि राजदान की शादी की चर्चा सोशल मीडिया पर तेज हो गई है। दरअसल उमर ने शनिवार को दोनों की दो तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'कल एक नई शुरुआत हुई, निधि।' उन्होंने पोस्ट के साथ अंगूठी का इमोजी भी लगाया।

निधि राजदान ने भी सोशल मीडिया पर अंगूठी के इमोजी के साथ 'इट्स डन ब्रो' लिखा। हालांकि, दोनों की ओर से शादी को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यहां बताते चलें कि उमर अब्दुल्ला की पहली पत्नी पायल के साथ इसी साल 31 जुलाई को तलाक की प्रक्रिया पूरी हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों की आपसी सहमति से तलाक को मंजूरी दी थी। दोनों की शादी करीब 32 साल पहले हुई थी और वे वर्ष 2011 से अलग रह रहे थे।



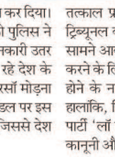
कोर्ट प्रेसिडेंट निलंबन के बाद पोलैंड में गहराया गंभीर राजनीतिक व संवैधानिक संकट

विदेश यात्रा बीच में छोड़कर लौटे राष्ट्रपति नौरोकी...

पूरे घटनाक्रम को ट्रिब्यूनल ने तख्तापलट करार दिया, मचा हड़कंप

● वारसॉ

पोलैंड की राजधानी वारसॉ में उस समय बड़ा संवैधानिक और राजनीतिक संकट खड़ा हो गया जब देश की सर्वोच्च संवैधानिक अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर आए एक अचानक नोटिस ने न्यायपालिका के शीर्ष नेतृत्व को निलंबित कर दिया। इस अप्रत्याशित कदम के बाद अदालत परिसर को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर सील कर दिया, सड़कों पर प्रदर्शनकारी उतर आए और सेनेगल की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे देश के राष्ट्रपति को बीच हवा से अपना विमान वापस वारसॉ मोड़ना पड़ा। ट्रिब्यूनल के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इस पूरे घटनाक्रम को तख्तापलट करार दिया गया है, जिससे देश भर में भारी हड़कंप मच गया है।



गत 30 अक्टूबर की शाम को संवैधानिक न्यायाधिकरण की वेबसाइट पर जारी एक संक्षिप्त नोटिस में घोषणा की गई कि ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष बोगदान स्वेचकोव्स्की और उपाध्यक्ष बार्तोलोमी सोहांस्की को उनके आधिकारिक कर्तव्यों से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद ट्रिब्यूनल की जज अन्ना कोविन-पियोत्रोव्स्का ने मीडिया के सामने आकर दावा किया कि देश में कानून का शासन बहाल करने के लिए यह फैसला लिया गया है और सबसे वरिष्ठ जज होने के नाते वे न्यायाधिकरण का प्रशासन संभाल रही हैं। हालांकि, ट्रिब्यूनल के मौजूदा नेतृत्व और विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी 'लॉ एंड जस्टिस' ने इस निलंबन को पूरी तरह से गैर-कानूनी और असंवैधानिक घोषित किया है।

चीन में पोलैंड के राजदूत का इस्तीफा

इस उथल-पुथल के विरोध में चीन में पोलैंड के राजदूत याकुब कुमोच ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिस पर विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यह पूरा विवाद पोलैंड की न्यायपालिका पर नियंत्रण को लेकर वर्तमान प्रो-यूरोपीय सरकार और पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी 'लॉ एंड जस्टिस' के बीच चल रही पुरानी खींचतान का परिणाम है।

पीएम टस्क बोले- सुधार जरुरी

2023 में सत्ता में आई प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार का तर्क है कि पूर्ववर्ती पीआईएस सरकार ने अदालत पर राजनीतिक कब्जा कर लिया था और अवैध रूप से जजों की नियुक्तियां की थी, जिसे सुधारना कानून के शासन के लिए जरूरी है। इसके विपरीत, पीआईएस के नेताओं ने इसे आपराधिक हमला बताते हुए समर्थकों से सड़कों पर उतरकर विरोध करने की अपील की है।

जीवन में अनुशासन की सीख -

वरिष्ठअधिकारी की अनमोल सीख

शर्ट का गले का पहला बटन

वैसे तो अपने लंबे सेवाकाल में कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ काम करने का अवसर और सौभाग्य मिला। सभी का स्नेह, प्रेम और सहयोग मिला, परंतु जीवन की अनमोल सीख एक युवा, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के साथ काम करके मिली।

एक छोटे से गांव से, ग्रामीण परिवेश में पढ़ाई कर अपनी शासकीय सेवा प्रारंभ करने वाले मुझ जैसे सामान्य व्यक्ति को यह बताने वाला कोई नहीं था कि प्रोटोकॉल क्या होता है। आज तक किसी ने यह नहीं बताया कि प्रोटोकॉल शब्द का अर्थ क्या है। यह चीज क्या है। लोगों के साथ काम करते हुए जैसा देखा, वैसा ही अनुभव किया और उसे ही जीवन में उतारने का प्रयास किया।

ऐसे में एक वरिष्ठ युवा प्रशासनिक अधिकारी ने मुझे जीवन की अनमोल सीख दी, जिसे मैंने अपने जीवन में आत्मसात किया और आज वर्षों बाद भी उस सीख को अपने जीवन में अमल में ला रहा हूं।

एक दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की बैठक के दौरान जिले के मुखिया के रूप में पदस्थ उस युवा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने मुझे इशारा कर कहा कि अपने शर्ट के गले का पहला बटन लगाएं। उस इशारे को मैं समझ नहीं पाया, क्योंकि मैं जीवन में हमेशा इसे सहज मानता रहा था और हमेशा से ऐसे ही शर्ट पहनता रहा।

जब मैंने शर्ट के गले का पहला बटन नहीं लगाया तो उन्होंने मुझे जीवन की अनमोल सीख दी। उन्होंने बताया कि अपने को एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए आवेदन करने का न्योता भेजा था। मेरा दिल जोरों से धड़क उठा। यह मेरे बचपन का सपना था, जो अब हकीकत बनने के कगार पर था। मैंने तुरंत आवेदन किया, और कुछ हफ्तों बाद, मुझे इंटरव्यू के लिए बुलाया गया।

इंटरव्यू बहुत कठिन था, पर मैंने अपनी पूरी क्षमता से जवाब दिए। जब मुझे बताया गया कि मेरा चयन हो गया है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण था। मैंने तुरंत अपने माता-पिता को फोन किया।

'माँ, पिताजी! मेरा चयन ईएस ए में हो गया है! मुझे यूरोप जाना होगा!' मैंने उत्साह से कहा।

एक पल के लिए फोन पर चुप्पी छा गई। फिर पिताजी की आवाज आई, जो हमेशा की तरह शांत नहीं थी, 'बबुआ, तु विदेश जाएगा? हमें छोड़कर?' उनकी आवाज में एक अजीब-सी उदासी थी, एक अनकहा डर। मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, 'पिताजी, यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा अवसर है। भारत में ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। मैं वहाँ जाकर देश का नाम रोशन करूँगा।'

'देश का नाम रोशन करेगा या हमें अकेला छोड़ देगा?' माँ की आवाज आई, जो अब तक चुप थीं। उनकी आवाज में दर्द था।

मेरा दिल भारी हो गया। मैं जानता था कि उनके लिए मुझे विदेश भेजना कितना मुश्किल होगा। पिताजी ने हमेशा मुझे अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की शिक्षा दी थी। वे कहते थे, 'अपनी धरती से बड़कर कुछ नहीं।' और अब, मैं उन्हें छोड़कर सात समंदर पार जा रहा था।

अगले कुछ दिनों तक घर में तनाव का माहौल रहा। पिताजी ने मुझसे बात करना कम कर दिया था। वे हर बार जब मैं उन्हें समझाने की कोशिश करता, तो बस इतना कहते, 'हमें बुढ़ापे में अकेला छोड़कर जा रहा है।' माँ चुपचाप रहतीं, पर उनकी आँखों में नमी साफ दिखती थी।

एक शाम, जब मैं अपने कमरे में बैठा था, पिताजी मेरे पास आए। वे शांत थे, पर उनकी आँखों में एक गहरी पीड़ा थी। 'बबुआ, तु जानता है, हमने तुझे कितनी मुश्किल से पढ़ाया है। हमारी तो एक ही इच्छा थी कि तु हमारे पास रहे, हमारे बुढ़ापे का सहारा बने।'

'पिताजी, मैं आपको कभी नहीं भूलूँगा। मैं आपको अपने साथ ले जाऊँगा, जब मैं वहाँ स्थापित हो जाऊँगा,' मैंने उन्हें दिलासा देने की कोशिश की।

'क्या फ़ायदा ऐसी तरक्क़ी का, जो अपने ही घर से दूर कर दे? तु यहीं रह, यहीं कोई नौकरी ढूँढ ले। हम सब साथ रहेंगे,' उन्होंने कहा। मैं जानता था कि उनकी बात में प्यार था, पर वे मेरे सपनों को नहीं समझ पा रहे थे। भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अवसर सीमित थे, और जो थे, वहाँ तक पहुँचना आसान नहीं था। मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की कि यह अवसर मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण है, पर वे अपनी बात पर अड़े रहे। 'देख बबुआ, तेरी माँ की तबियत भी ठीक नहीं रहती। तुझे छोड़कर हम कैसे रहेंगे?' पिताजी ने कहा।

माँ की तबियत का ज़िक्र आते ही मेरा मन और भी विचलित हो गया। मैं जानता था कि माँ की सांस की बीमारी उन्हें अक्सर परेशान करती थी। मैं उन्हें अकेला छोड़कर कैसे जा सकता था? मेरे भीतर एक भयंकर द्वंद्व चल रहा था—एक तरफ़ मेरे सपने थे, और दूसरी तरफ़ मेरे माता-पिता का प्यार और उनकी उम्मीदें।

मैंने अपने प्रोफ़ेसर से बात की। उन्होंने मुझे समझाया, 'रोहन, यह अवसर तुम्हारे लिए बहुत बड़ा है। ऐसे मौक़े बार-बार नहीं मिलते। तुम्हें अपनी प्रतिभा को पंख देने चाहिएँ।'

लेकिन मेरे मन में शांति नहीं थी। मैं रात-रात भर सो नहीं पाता था। अंततः, मैंने एक कठिन फ़ैसला लिया। मैंने ईएस ए को एक ईमेल लिखी, जिसमें मैंने उन्हें बताया कि मैं उनका प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर पाऊँगा। यह मेरे जीवन का सबसे दर्दनाक फ़ैसला था। मैंने अपने सपनों की उड़ान को रोक दिया था, अपने माता-अनादि के लिए।

जब मैंने पिताजी को बताया कि मैंने ई एस ए का प्रस्ताव ठुकरा दिया है, तो उनकी आँखों में चमक आ गई। माँ ने मुझे गले लगा लिया। उनके चेहरे पर खुशी थी, पर मेरे दिल में एक अजीब-सा खालीपन था। मैंने अपने सपनों को क़ुर्बान कर दिया था, अपने माता-पिता के लिए।

आज, मैं अपने गाँव के पास एक छोटे से शहर में एक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाता हूँ। मेरे माता-पिता मेरे साथ ख़ुश हैं। मैं उन्हें हर पल अपने साथ रखता हूँ, उनकी देखभाल करता हूँ। वे मेरी हर ख़ुशी में ख़ुश होते हैं, और हर दुख में मेरे साथ खड़े रहते हैं। उनकी उपस्थिति मात्र से मुझे दुनिया का सबसे बड़ा सुकून मिलता है। लेकिन, कभी-कभी रात को, जब मैं तारों को निहारता हूँ, तो मुझे अपनी अधूरी उड़ान की याद आती है। मुझे याद आता है वह सपना, जो मैंने कभी देखा था। मैं जानता हूँ कि मैंने अपने माता-पिता के लिए सही फ़ैसला लिया है, पर मेरे भीतर कहीं गहरे में, वह युवा वैज्ञानिक आज भी अंतरिक्ष में उड़ान भरने का सपना देखता है। (साभार-)

कहानी

अधूरी उड़ान

महेन्द्र तिवारी



वह दिन मेरी स्मृति में आज भी ऐसे अंकित है, जैसे कल की ही बात हो, जब मेरे सपनों की उड़ान को पहली बार पंख लगे थे। उस दिन की हर छोटी-बड़ी घटना, हर शब्द, हर खामोशी मेरे भीतर गहरे तक समाई हुई है—एक अमिट छाप की तरह। मैं तब केवल बीस साल का एक उत्साही युवक था, जिसके मन में अंतरिक्ष के अनछूए रहस्यों को जानने की तीव्र लालसा थी। मेरे पैतृक गाँव में, जहाँ खेती ही जीवन का आधार थी, विज्ञान और खगोलशास्त्र की बातें किसी अजूबे से कम नहीं थीं। मेरे माता-पिता, सादगी और परंपरा में पले-बढ़े, मेरे इन 'अजीब' सपनों को पूरी तरह समझ नहीं पाते थे, पर मेरे भीतर एक अदम्य इच्छाशक्ति थी। बचपन से ही, जब गाँव के सभी बच्चे खेतों में खेलते या पशु चराते थे, मैं रात को खुले आसमान के नीचे घंटों तारों को निहारता रहता था। मुझे याद है, एक बार मैंने अपने पिताजी से पूछा था, 'पिताजी, क्या हम कभी चाँद पर जा सकते हैं?' उन्होंने मुस्कुराकर कहा था, 'बबुआ, पहले धरती पर तो पैर जमा ले, चाँद पर जाने की बात बाद में करना।' उनकी बात में प्यार था, पर मुझे अपनी लालसा को दबाना पड़ा।

मेरी पढ़ाई में हमेशा से ही रुचि थी, और मैं गाँव के स्कूल में अव्वल आता था। पिताजी ने मुझे शहर भेजने का फ़ैसला किया, ताकि मैं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकूँ। यह उनके लिए एक बड़ा त्याग था, क्योंकि हमारे पास सीमित संसाधन थे। शहर में मैंने विज्ञान को चुना, और मेरी रुचि खगोलशास्त्र में और गहरी होती गई। मैंने दिन-रात एक कर दिया, किताबों में खोया रहता, प्रयोगशाला में प्रयोग करता, और हर उस अवसर को भुनाता जिससे मुझे अंतरिक्ष के बारे में कुछ नया जानने को मिले।

मेरी मेहनत रंग लाई। मैंने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, और मुझे देश के एक प्रतिष्ठित शोध संस्थान में इंटर्नशिप का अवसर मिला। वहाँ मुझे पहली बार बड़े-बड़े टेलीस्कोप और अंतरिक्ष अनुसंधान के उपकरणों को छूने का मौक़ा मिला। मेरा सपना अब और भी स्पष्ट हो चुका था—मुझे एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनना था।

एक दिन, जब मैं अपने शोध कार्य में व्यस्त था, मुझे एक ईमेल मिली। यह यूरोपियन स्पेस एजेंसी (इ एस ए) से था! उन्होंने मुझे अपने एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए आवेदन करने का न्योता भेजा था। मेरा दिल जोरों से धड़क उठा। यह मेरे बचपन का सपना था, जो अब हकीकत बनने के कगार पर था। मैंने तुरंत आवेदन किया, और कुछ हफ़्तों बाद, मुझे इंटरव्यू के लिए बुलाया गया।

इंटरव्यू बहुत कठिन था, पर मैंने अपनी पूरी क्षमता से जवाब दिए। जब मुझे बताया गया कि मेरा चयन हो गया है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण था। मैंने तुरंत अपने माता-पिता को फोन किया।

'माँ, पिताजी! मेरा चयन ई एस ए में हो गया है! मुझे यूरोप जाना होगा!' मैंने उत्साह से कहा।

एक पल के लिए फोन पर चुप्पी छा गई। फिर पिताजी की आवाज़ आई, जो हमेशा की तरह शांत नहीं थी, 'बबुआ, तु विदेश जाएगा? हमें छोड़कर?' उनकी आवाज़ में एक अजीब-सी उदासी थी, एक अनकहा डर। मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, 'पिताजी, यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा अवसर है। भारत में ऐसे मौक़े बहुत कम मिलते हैं। मैं वहाँ जाकर देश का नाम रोशन करूँगा।'

'देश का नाम रोशन करेगा या हमें अकेला छोड़ देगा?' माँ की आवाज़ आई, जो अब तक चुप थीं। उनकी आवाज़ में दर्द था।

मेरा दिल भारी हो गया। मैं जानता था कि उनके लिए मुझे विदेश भेजना कितना मुश्किल होगा। पिताजी ने हमेशा मुझे अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की शिक्षा दी थी। वे कहते थे, 'अपनी धरती से बड़कर कुछ नहीं।' और अब, मैं उन्हें छोड़कर सात समंदर पार जा रहा था।

अगले कुछ दिनों तक घर में तनाव का माहौल रहा। पिताजी ने मुझसे बात करना कम कर दिया था। वे हर बार जब मैं उन्हें समझाने की कोशिश करता, तो बस इतना कहते, 'हमें बुढ़ापे में अकेला छोड़कर जा रहा है।' माँ चुपचाप रहतीं, पर उनकी आँखों में नमी साफ़ दिखती थी।

एक शाम, जब मैं अपने कमरे में बैठा था, पिताजी मेरे पास आए। वे शांत थे, पर उनकी आँखों में एक गहरी पीड़ा थी। 'बबुआ, तु जानता है, हमने तुझे कितनी मुश्किल से पढ़ाया है। हमारी तो एक ही इच्छा थी कि तु हमारे पास रहे, हमारे बुढ़ापे का सहारा बने।'

'पिताजी, मैं आपको कभी नहीं भूलूँगा। मैं आपको अपने साथ ले जाऊँगा, जब मैं वहाँ स्थापित हो जाऊँगा,' मैंने उन्हें दिलासा देने की कोशिश की।

'क्या फ़ायदा ऐसी तरक़्क़ी का, जो अपने ही घर से दूर कर दे? तु यहीं रह, यहीं कोई नौकरी ढूँढ ले। हम सब साथ रहेंगे,' उन्होंने कहा। मैं जानता था कि उनकी बात में प्यार था, पर वे मेरे सपनों को नहीं समझ पा रहे थे। भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अवसर सीमित थे, और जो थे, वहाँ तक पहुँचना आसान नहीं था। मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की कि यह अवसर मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण है, पर वे अपनी बात पर अड़े रहे। 'देख बबुआ, तेरी माँ की तबियत भी ठीक नहीं रहती। तुझे छोड़कर हम कैसे रहेंगे?' पिताजी ने कहा।

माँ की तबियत का ज़िक्र आते ही मेरा मन और भी विचलित हो गया। मैं जानता था कि माँ की साँस की बीमारी उन्हें अक्सर परेशान करती थी। मैं उन्हें अकेला छोड़कर कैसे जा सकता था? मेरे भीतर एक भयंकर द्वंद्व चल रहा था—एक तरफ़ मेरे सपने थे, और दूसरी तरफ़ मेरे माता-पिता का प्यार और उनकी उम्मीदें।

मैंने अपने प्रोफ़ेसर से बात की। उन्होंने मुझे समझाया, 'रोहन, यह अवसर तुम्हारे लिए बहुत बड़ा है। ऐसे मौक़े बार-बार नहीं मिलते। तुम्हें अपनी प्रतिभा को पंख देने चाहिएँ।'

लेकिन मेरे मन में शांति नहीं थी। मैं रात-रात भर सो नहीं पाता था। अंततः, मैंने एक कठिन फ़ैसला लिया। मैंने श्ध्र्क को एक ईमेल लिखी, जिसमें मैंने उन्हें बताया कि मैं उनका प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर पाऊँगा। यह मेरे जीवन का सबसे दर्दनाक फ़ैसला था। मैंने अपने सपनों की उड़ान को रोक दिया था, अपने माता-अनादि के लिए।

जब मैंने पिताजी को बताया कि मैंने ई एस ए का प्रस्ताव ठुकरा दिया है, तो उनकी आँखों में चमक आ गई। माँ ने मुझे गले लगा लिया। उनके चेहरे पर ख़ुशी थी, पर मेरे दिल में एक अजीब-सा खालीपन था। मैंने अपने सपनों को क़ुर्बान कर दिया था, अपने माता-पिता के लिए।

आज, मैं अपने गाँव के पास एक छोटे से शहर में एक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाता हूँ। मेरे माता-पिता मेरे साथ ख़ुश हैं। मैं उन्हें हर पल अपने साथ रखता हूँ, उनकी देखभाल करता हूँ। वे मेरी हर ख़ुशी में ख़ुश होते हैं, और हर दुख में मेरे साथ खड़े रहते हैं। उनकी उपस्थिति मात्र से मुझे दुनिया का सबसे बड़ा सुकून मिलता है। लेकिन, कभी-कभी रात को, जब मैं तारों को निहारता हूँ, तो मुझे अपनी अधूरी उड़ान की याद आती है। मुझे याद आता है वह सपना, जो मैंने कभी देखा था। मैं जानता हूँ कि मैंने अपने माता-पिता के लिए सही फ़ैसला लिया है, पर मेरे भीतर कहीं गहरे में, वह युवा वैज्ञानिक आज भी अंतरिक्ष में उड़ान भरने का सपना देखता है। (साभार-)

सुविचार

आकाश में उड़ने वाले पंछी को भी अपने घर की याद आती है।

- प्रेमचंद

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मैं इसी को सत्य कहता हूँ। - वेदव्यास

प्रसंग...

स्वाभिमान

कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति का एक पत्र पाकर पं. मदन मोहन मालवीय असमंजस में पड़ गए। वे बुरदुराए- 'अजीब प्रस्ताव रखा है यह तो उन्होंने। क्या करूँ, क्या लिखूँ?' पास बैठे एक सज्जन ने पूछा, 'ऐसी क्या अजीब बात लिखी है पंडित जी उन्होंने।' वे मुस्कुराकर बोले, 'कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति महोदय, मेरी सनातन उपाधि छीन कर एक नई उपाधि देना चाहते हैं।' वे लिखते हैं यह कहकर वे पत्र पढ़ने लगे। उस पत्र में लिखा था 'कलकत्ता यूनिवर्सिटी आपको डॉक्टरेट की सम्मानित उपाधि से अलंकृत करके अपने आपको गौरवान्वित करना चाहती है। हम भी गौरवान्वित हो सकेंगे। आप अपनी बेशकीमती स्वीकृति से शीघ्र ही सूचित करने की कृपा कीजिए।' 'प्रस्ताव तो उचित ही है। आप ना मत कर दीजिएगा मालवीय जी महाराज, यह तो हम वाराणसी वासियों के लिए विशेष गर्व एवं गौरव की बात होगी। तभी एक अन्य सज्जन ने हाथ जोड़ कर कहा उनसे।' 'अरे बहुत ही भोले हो भैय्ये तुम तो। वाराणसी के गौरव में वृद्धि नहीं होगी। यह तो वाराणसी के पांडित्य को जलील करने का प्रस्ताव है। बनारस के पंडितों को अपमानित करनेवाली तजवीज है यह।' बहुत ही व्यथित मन से मालवीय जी बोले। अगले ही क्षण उन्होंने उस पत्र का उत्तर लिखा 'मान्य महोदय ! आपके प्रस्ताव के लिए धन्यवाद। मेरे उत्तर को अपने प्रस्ताव का अनादर मत मानिएगा। मेरा पक्ष सुनकर आप उस पर पुनर्विचार ही कीजिएगा। मुझको आपका यह उपाधि वितरण प्रस्ताव अर्थहीन लग रहा है। मैं जन्म और कर्म दोनों से ही ब्राह्मण हूँ, किसी भी ब्राह्मण धर्म की मर्यादाओं के अनुरूप जीवन बिताता हूँ।' 'पंडित' से बढ़कर अन्य कोई भी उपाधि नहीं हो सकती। मैं 'डाक्टर मदन मोहन मालवीय' कहलाने की अपेक्षा 'पंडित मदन मोहन मालवीय' कहलवाना अधिक पसंद करूँगा। आशा है आप इस ब्राह्मण के मन की भावना का आदर करते हुए इसे 'डाक्टर' बनाने का विचार त्याग कर 'पंडित' ही बना रहने देंगे।' वृद्धावस्था में भी मालवीय जी तत्कालीन वाइसराय की कौंसिल के वरिष्ठ काउंसलर थे। उनकी गहन और तथ्यपूर्ण आलोचनाओं के बावजूद वाइसराय उनकी मेधा, सौजन्य, सहज पांडित्य आदि के कायल थे। एक बार एक खास भेंट के कार्यक्रम के दौरान वाइसराय ने कहा - 'पंडित मालवीय, हिज मेजेस्टी की सरकार आपको 'सर' की उपाधि से अलंकृत करना चाहती है। आप इस उपाधि को स्वीकार करके इस उपाधि का गौरव बढ़ाने में हमारी मदद करें।'

जरा हटके

वैज्ञानिकों को मिली रोमन काल के छोटे बच्चे की दुर्लभ कब्र

सोफ़िया । वैज्ञानिकों को बुलगारिया में बच्चे की रोमन काल की दुर्लभ कब्र मिली है। यहां काला सागर के समीप स्थित स्टारा जागरा शहर में पुरातत्वविदों को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भावुक कर देने वाली ऐतिहासिक सफलता हासिल हुई है। वैज्ञानिकों को एक नए अपार्टमेंट और पार्किंग निर्माण परियोजना के प्राथमिक सर्वेक्षण के दौरान रोमन काल के एक छोटे बच्चे की दुर्लभ कब्र मिली है। कब्र के भीतर से सोने की बेहद खूबसूरत और सुरक्षित स्थिति में रखी बालियां तथा कांसे का एक छोटा ऐतिहासिक सिक्का बरामद हुआ है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस विशेष सिक्के को एंटोनिनियानस कहा जाता है, जिसे लगभग 274 या 275 ईस्वी के आसपास ग्रेस क्षेत्र में ढाला गया था। इस प्राचीन सिक्के की खोज ने न केवल उस काल की कला और अर्थव्यवस्था पर रोशनी डाली है, बल्कि उस दौर की धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं को भी उजागर किया है। प्राचीन ग्रीक और रोमन परंपराओं में मृत्यु के बाद के जीवन को लेकर कई विशेष धार्मिक मान्यताएं प्रचलित थीं।

इन पौराणिक कथाओं के अनुसार, मृत्यु के बाद मनुष्य की आत्मा को परलोक पहुंचाने के लिए केरन नाम का एक नाविक एक पवित्र और पौराणिक नदी पार कराता था। इस नदी को पार करने और परलोक की यात्रा पूरी करने के बदले नाविक को निश्चित किराया चुकाना पड़ता था।

लघु कथा

अर्थ का अनर्थ

सुभाष चन्द्र लखेड़ा

आज सुबह फिर मुझे फ़ेसबुक पर एक फ्रेंडशिप की रिक्वेस्ट आयी और मैंने उसे कन्फर्म कर दिया। मुझे अब सच कहूँ तो अपने ऐसे बहुत से मित्रों के नाम याद भी नहीं जिन्हें मैं फ़ेसबुक पर अपना मित्र कन्फर्म कर चुका हूँ। इनमें से मुझे अपने पूर्व परिचित और नाते-रिश्तेदारों के अलावा कुछ ऐसे लोगों के नाम ज़रूर याद हो गए हैं जो नियमित रूप से मेरी पोस्ट पढ़ते हैं और उन्हें लाईक करते हैं।

फलक (फ़ेसबुक लघु कथाएँ) ब्लॉग पर ऐसी संख्या सर्वाधिक है। जो ब्लॉग सदस्य रचना को पढ़ने के बाद अपने कमेंट्स निरंतर देते हैं, वे ज़रूर मेरे यादों के संग्रहालय में बस जाते हैं। बहरहाल, फ़ेसबुक ने दुनिया को छोटा तो बनाया है लेकिन इसकी वजह से दो शब्द अब अपना अर्थ पूरी तरह से खो चुके हैं - मित्र और कन्फ़र्म। फ़ेसबुक की वजह से यूँ वे आपके मित्र हैं लेकिन आप उनके बारे में कुछ नहीं जानते। आपने खुद उनकी फ्रेंड रिक्वेस्ट को कन्फ़र्म किया लेकिन इस कन्फ़र्म का अर्थ वह नहीं है जो आज तक प्रचलन में था। खैर, यह सब लिखने की ज़रूरत इसलिए पड़ी कि कल मेरे ऐसे ही एक फ़ेसबुक फ्रेंड का जन्मदिन था।

हमने तत्काल उन्हें बिन पैसों के फूलों के गुलदस्ते के चित्र के साथ जन्मदिन की बधाई और ढेरों शुभकामनाएँ देते हुए लिख दिया - 'ये दिन आये बार-बार।' आज पता चला कि कल उनके पिता जी का देहांत हो गया था और वे दिन भर दिल्ली के निगम बोध-घाट पर अपने स्वर्गीय पिता जी के क्रियाकर्म में व्यस्त थे। सोचता हूँ इतने मित्र भी नहीं होने चाहियें जिनके सुख-दुःख में आप शरीक न हो सकें।

फोटो ऑफ द डे



हेब्रोन में इजरायली सेना ने दो सैनिकों की हत्या के दोषियों के घर उड़ा दिये जिसके बाद पूरे इलाके में धुआं फैल गया। (फोटो-ईएफई)

व्यंग्य

आर्ट आफ टार्चरिंग

तारकेश कुमार ओझा

बाजारवाद के मौजूदा दौर में आए तो मानसिक अत्याचार अथवा उत्पीड़न यानी टार्चरिंग या फिर थोड़े ठेठ अंदाज में कहें तो किसी का खून पीना... भी एक कला का रूप ले चुकी है। आम-आदमी के जीवन में इस कला में पारंगत कलाकार क़दम-क़दम पर खड़े नज़र आते हैं। एक आम भारतीय की मजबूरी के तहत कस्बे से महानगर जाने के लिए मैं घर से निकलने की तैयारी में था। चाय पीते हुए आदतन मेरी नज़रें टेलीविजन पर टिकी हुई थी। सोचा ज़माने के लिहाज से हमेशा अपडेट रहना चाहिए। एक चैनल पर खबर चल रही थी... आइपीएल के लिए फलां क्रिकेटर इतने करोड़ में बिका...। चैनल पर हुंकार भरते उस खिलाड़ी की तस्वीर के पार्श्व में परिजनों का इंटरव्यू दिखाया जा रहा था। भावुक होते हुए परिजन कह रहे थे... हमें उम्मीद थी.. एक दिन उसकी इतनी बोली ज़रूर लगेगी... इतने करोड़ की कीमत पर वह नीलाम होगा...।

मैंने मुँह बिचकाते हुए चैनल बदल दिया।

दूसरे चैनल पर खबर चल रही थी ... बालीवुड का फलां शहंशाह मुंबई के समुद्री तट के किनारे इतने सौ करोड़ का नया बँगला बनवा रहा है। यह भी बताया जाता रहा कि जनाब के मुंबई में ही 8 और शानदार बँगले हैं। दुनिया के कई देशों में शहंशाह ने फ्लैट खरीद रखे हैं।

मुझे लगा जैसे स्टूपर लगा कर किसी ने मेरे शरीर से थोड़ा सा खून पी लिया। टेलीविजन बंद कर मैं बड़े शहर की ओर निकल पड़ा। ट्रेन में बैठते से पहले समय काटने की मजबूरी के चलते मैंने अखबार खरीदा। अखबार खोलते ही नज़रें रंगीन पन्नों पर टिक गईं। मैं भीषण गर्मी से बेहाल हो रहा था। ऊपर पन्नों पर समुद्री लहरों के पास एक अभिनेत्री बिकनी पहने हुए दौड़ लगा रही थी। मुझे फिर मानसिक अत्याचार का अहसास हुआ। बेचैनी में पन्ने पलटते ही नज़रें एक और ऐसी ही खबर पर टिक गईं। जिस पर लिखा था कि पेज थ्री कल्चर वाले एक प्रसिद्ध शख्सियत ने अपनी पाँचवीं पत्नी को तलाक दे दिया। खबर के साथ दोनों की मुस्कुराती हुई फोटो भी छपी थी। साथ में यह भी लिखा मिला कि दोनों ने यह फ़ैसला आपसी सहमति से किया लेकिन दोनों आगे भी अच्छे दोस्त बने रहेंगे।

मुझे फिर खून पीए जाने का अहसास हुआ। लगा ज़िंदगी की जद्दोजहद में जुटे लोगों तक ऐसी खबरें पहुँचाने वाले ज़रूर आर्ट आफ टार्चरिंग यानी खून पीने की कला में पीएचडी कर चुके होंगे। जो पहले से हैरान-परेशान लोगों के कुढ़ने का बंदोबस्त कर रहे हैं। कुछ दूर चल कर ट्रेन अचानक रुक गई। पता चला राजनैतिक विरोध-प्रदर्शन के तहत चक्का जाम किया जा रहा है। प्यास से व्याकुल हो कर पानी की तलाश में मैं प्लेटफार्म पर इधर-उधर भटकने लगा। लेकिन ज्यादातर नल सूखे पड़े थे। कुछेक से पानी निकला भी तो चाय की तरह गर्म। कुढ़ते हुए मैं मन ही मन व्यवस्था को अभी कोस ही रहा था कि सामने लगे होर्डिंग्स पर नज़रें टिक गईं। जिसमें समुद्र की उत्ताल तरंगों से कुछ युवक-युवतियाँ अठखेलियाँ कर रहे थे। विज्ञापन के बीच शीतल पेय से निकलने वाला झाग उसी समुद्र के जल में मिल रहा था। मुझे एक बार फिर मानसिक अत्याचार का बोध हुआ।

किसी तरह गंतव्य पर पहुँचा तो ट्रेन से उतर कर बस में चढ़ने की मजबूरी सामने थी। जैसा कि सभी जानते हैं कि महानगरों की बसें नर्क से कुछ कम अनुभव नहीं कराती। ठसाठस भरी बसें में यात्री बूचड़खाने के मवेशी की तरह ठूँसे हुए थे। रेल सिग्नल पर जब बस रुकती तो इधर के यात्री उधर और उधर के यात्री इधर होते हुए ... उफ़्फ़, आह आदि के साथ अरे यार... आदमी हो या ... अरे भाई साहब ज़रा देखा कीजिए... जैसे वाक्य दोहराते हुए एक-दूसरे पर गिर-पड़ रहे थे। रेड सिग्नल पर बस के रुकने पर आगल-बगल से गुज़रती बेशकीमती चमचमाती-कारें हमें अपने फटीचरपन और जीवन की व्यर्थता का लगातार अहसास कराती जा रही थी। ऊपर बस से उतरते ही बड़े-बड़े होर्डिंग्स फिर मुँह चिढ़ाने लगे। जिस पर एक से बढ़कर एक महँगी कारों की तस्वीरों के पास किसी पर अभिनेता-अभिनेत्री तो किसी पर नामी-गिरामी क्रिकेट खिलाड़ी खड़े मुस्करा रहे थे।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की कुंठाओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अध्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है।

हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की कुंठाओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अध्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है।

रोचक खबर

ज्वालामुखी की राख, चट्टानों के टुकड़े टकराने से चमकती है बिजली

लंदन । आखिर ज्वालामुखी से निकलने वाली राख के बादलों में बिजली कैसे पैदा होती है, यह एक दिलचस्प वैज्ञानिक रहस्य है। प्रकृति की इस अनोखी घटना को 'डर्टी थंडरस्टॉर्म' कहा जाता है। यहां 'डर्टी' का मतलब गंदगी या प्रदूषण नहीं, बल्कि राख और ज्वालामुखीय पदार्थों से भरे बादल से है। ज्वालामुखी में विस्फोट के दौरान राख, चट्टानों के छोटे-छोटे टुकड़े और दूसरे पदार्थ बेहद तेज रफ्तार से बाहर निकलते हैं। ये कण आपस में टकराते हैं और उनके बीच विद्युत आवेश का बंटवारा हो सकता है। इस टक्कर और घर्षण के कारण कणों पर धनात्मक और ऋणात्मक विद्युत आवेश जमा होने लगते हैं। जब बादल के अलग-अलग हिस्सों में धनात्मक और ऋणात्मक आवेश पर्याप्त मात्रा में जमा हो जाते हैं, तो उनके बीच विद्युत क्षमता का अंतर बहुत बढ़ जाता है। एक समय ऐसा आता है, जब यह अंतर हवा में इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज यानी बिजली की चमक पैदा कर सकता है।

मैदान में मिला युवक का शव ...

पीट पीटकर ले ली जान, आरोपी की तलाश

इंदौर (नगर संवाददाता)। एक खाली मैदान में युवक का शव लोगों ने पड़ा देखा तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दीमौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो उसके शरीर पर चोट के निशान मिले। उसे पीट-पीटकर मौत के घाट उतार गया है। युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला कि मृतक अक्सर इंदौर आता-जाता रहता था। वह काम की तलाश में इंदौर आया था।



घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक मृतक संजय कुर्मी मूलनिवासी सागर है। जांच में पुलिस को पता चला कि वह तीन दिन पहले ही काम की तलाश में इंदौर आया था। उसका शव स्कीम नंबर 51 की आईडीए मल्टी के पीछे मैदान में मिला। सूचना मिलते ही टीआई मनोज सिंह सेंधव और एफसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पीएम के लिए अस्पताल पहुंचा दिया गया।पुलिस का कहना है कि मृतक संजय के मामा इंदौर में ही स्कीम नंबर 51 में रहते हैं। उन्होंने मृतक की पहचान संजय के रूप में की। उनका कहना था कि वह अक्सर इंदौर आता जाता रहता था। इस बार वह काम की तलाश में इंदौर आया था और शुक्रवार को वह दोस्त के साथ जाने का बोलकर निकला था लेकिन रात भर वह घर नहीं लौटा तो सोचा कि दोस्त के यहां ही रूक गया होगा लेकिन सुबह उसके शव मिलने की जानकारी मिली। घटना के बाद से संजय के दोस्त का मोबाइल बंद है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं उसकी पीट पीट कर हत्या की गई है। पुलिस का कहना है कि शरीर पर जिस तरह चोट के निशान मिले हैं उससे लग रहा है कि उसकी हत्या में एक से अधिक लोग शामिल हैं। यह भी आशंका है कि हत्या कहीं और की गई और बाद में लाश खाली मैदान में आकर फेंक दी गई।

प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता ने दी जान

क्षिप्रा थाना क्षेत्र के ग्राम गंगा घाटी गारी पिपल्या में विवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोप है कि बच्चा नहीं होने पर विवाहिता को लगातार ताने दिए जाते थे। ससुराल में रहने देने के बदले चार लाख रुपए दहेज की मांग भी की जा रही थी। शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतका गंगा उर्फ तितली को 1 अप्रैल 2024 से 14 अक्टूबर 2026 के बीच लगातार प्रताड़ित किए जाने के आरोप हैं। पति और अन्य ने बच्चा नहीं होने की बात पर उसे ताने मारे और मारपीट की। इसके अलावा ससुराल में रहने के लिए चार लाख रुपए की मांग की जा रही थी। मामले की जांच एसडीओपी सांवेर देवेंद्र सिंह धुर्वे द्वारा की गई। जांच के आधार पर पुलिस ने पति विकास नाथ (23), अनिल नाथ (30), राधाबाई (29) और बबलू नाथ (30) के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

इंदौर (नगर संवाददाता)। निजी नशामुक्ति केंद्र उपचार के लिए भर्ती कराए गए एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसे फंदे पर लटका देखा तो नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करीब 70 युवक केंद्र से भाग गए। घटना से हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच की जांच कर रही है। घटना रावजी बाजार थाना क्षेत्र स्थित स्थित पहचान नशामुक्ति केंद्र की है। थाना प्रभारी मनोज मिश्रा ने बताया कि मृतक का नाम सचेंद्र पिता अशोक लोधी मूलनिवासी गुना हाल मुकाम श्रीराम नगर देवास नाका है। सचेंद्र को परिजनों ने करीब सवा महिने पहले उपचार के लिए उसे पहचान नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती क रया था वह शराब पीने का आदी था और परिजन उसकी इसी हरकतों से परेशान थे। नशे के कारण उसकी मानसिक स्थिति भी बिगड़ गई थी। शनिवार को रावजी बाजार क्षेत्र स्थित केंद्र में मेडिटेशन क्लास चल रही थी। इस दौरान सचेंद्र ने कहा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है और वह अपने कमरे में जाना चाहता है। इसके बाद वह ऊपरी मंजिल में चला गया। जब वह काफी देर तक नीचे नहीं आया तो उसे नशा मुक्ति केंद्र का कर्मचारी देखने उपर गया तो दरवाजा अंदर से बंद था और वह लटका हुआ था। उसे फंदे से उतारकर तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दिवार कूदकर भागे, वीडियो वायरल -जब सचेंद्र को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती अन्य लोगों ने लटका देखा तो वह घबरा गए और चंद मिनटों में ही वहां अफरा तफरी मच गई। वहां भर्ती अन्य युवक गेट और दीवार फांदकर भाग गए। नशा मुक्ति केंद्र से भागने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से किसी तरह का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घबराहट में युवक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती अन्य युवक भाग गए हैं। सभी सकुशल अपने घर पहुंच गए हैं। आत्महत्या के कारणों की पुलिस जांच कर रही है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत- पलासिया थाना क्षेत्र में काम के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। विद्युत करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुशर्रफ पिता सिराज (25) निवासी जमजम चौराहा, खजराना के रूप में हुई है। मुशर्रफ पलासिया इलाके में काम के सिलसिले में मौजूद था, उसी दौरान वह अचानक करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद तुरंत उसे एमवाय अस्पताल लाया गया, लेकिन जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बच्चों के विवाद में बड़े भिड़े, युवक से मारपीट -इंदौर। कुशवाह नगर में बच्चों के बीच हुए विवाद ने बड़ों के बीच झगड़े का रूप ले लिया। बच्चों की बात को लेकर एक युवक ने घर के सामने आकर पड़ोसी से विवाद किया। गाली-गलौज करने से मना करने पर आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर फरियादी के साथ मारपीट कर दी। बाणगंगा पुलिस के अनुसार, पंकज भनारिया (43) निवासी सेक्टर-सी, कुशवाह नगर ने शिकायत दर्ज कराई कि शुक्रवार की रात करीब 9:30 बजे शुभम कुशवाह उनके घर के सामने आया। वह बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर उनसे बहस करने लगा और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगा। पंकज ने उसे गाली-गलौज करने से मना किया तो शुभम के साथ आए दो अन्य लोगों ने भी उनके साथ हाथ-धप्पड़ों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान पंकज नीचे गिर गए, जिससे उनके सिर में चोट आई और खून निकलने लगा।

सड़क हादसा- फाइनेंस कंपनी के दो कर्मचारियों की मौत

इंदौर (नगर संवाददाता)। चंदन नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात हुए सड़क हादसे में एक निजी फायनेंस कंपनी के कर्मचारी और साथी की मौत हो गई। वे झाबुआ से इंदौर मीटिंग के लिए आ रहे थे। बताया जाता है कि दोनों दोस्तों के आने का इंतजार कर रहे थे, तभी क्रेन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस के मुताबिक हादसा नावदा पंथ ब्रिज पर हुआ। मृतकों के नाम मोहित पिता रामसिंह (28) और नौशाद (30) निवासी झाबुआ है। बताया गया कि वे दोनों झाबुआ से इंदौर मीटिंग में शामिल होने आ रहे थे। वे नावदा पंथ में रोड किनारे खड़े होकर किसी दोस्तों का इंतजार कर रहे थे, तभी एक क्रेन के चालक ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में मोहित की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसके साथी नौशाद ने एमवाय अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों की मदद से आरोपी क्रेन चालक को गिरफ्तार कर क्रेन को भी जब्त कर लिया गया।

दोस्तों का इंतजार करते समय क्रेन ने चपेट में लिया

अज्ञात वाहन ने ली कॉलेज छात्र की जान, दो घायल -इसी प्रकार बेटमा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस वाहन चालक की तलाश कर रही है। बेटमा पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 21 वर्षीय दीपक पिता मनोहर मूल निवासी कुशी, जिला धार के रूप में हुई। वह इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बताया गया कि दीपक दो साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था, उसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार किसी वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दीपक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, वहीं दोनों साथी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। बेटमा पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश तेज कर दी है।

मिनी ट्रक चालक ने युवक को किया घायल-उधर, क्षिप्रा इलाके में अंध रफ्तार से जा रहे मिनी ट्रक के चालक ने एक युवक को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक हादसा अर्जुन बड़ौदा ब्रिज के पास विगत दिवस हुआ था। घायल का नाम आकाश है। पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 09 डीडी 5016 के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया। हादसे में फरियादी को पैर, चेहरे और सिर में गंभीर चोटें आई।

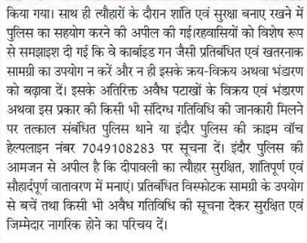
शराबी कलयुगी बेटे ने पिता को पीटा, कपड़े भी फाड़े



इंदौर। छोटा बांगड़दा रोड पर शराब के नशे में घर पहुंचे कलयुगी बेटे ने मामूली बात पर अपने 62 वर्षीय पिता के साथ मारपीट कर दी। पिता ने उसे गाली-गलौज करने से रोका तो वह इतना आक्रोशित हो गया कि हाथ-धप्पड़ों से हमला कर उनके कपड़े तक फाड़ दिए। एरोड्रम पुलिस के अनुसार, फरियादी इंदरसिंह तंवर ने शिकायत में बताया कि वे अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान उनका बेटा राहुल तंवर शराब के नशे में घर पहुंचा। आते ही वह बिना किसी वजह के विवाद करने लगा और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगा। घर में मौजूद परिजनों को उसका व्यवहार बुरा लगा। इस पर इंदरसिंह ने उसे ऐसा करने से मना किया तो राहुल ने उनसे विवाद शुरू कर दिया और हाथ-धप्पड़ों से मारपीट करने लगा। हमले के दौरान उसने पिता के कपड़े भी फाड़ दिए। घटना में इंदरसिंह के सिर पर कान के ऊपर चोट आई। फरियादी की शिकायत पर एरोड्रम पुलिस ने राहुल के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आगामी त्यौहार के मद्देनजर पुलिस का विशेष सुरक्षा अभियान

इंदौर। आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय इंदौर में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता एवं सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में नगरीय इंदौर के सभी जोन में संबंधित पुलिस थानों की टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पैदल भ्रमण (फुट पेट्रोलिंग) किया गया। इस दौरान संवेदनशील एवं हॉट स्पॉट क्षेत्रों में सघन चेकिंग करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। साथ ही आगामी त्यौहार को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में अवैध पटाखों एवं कार्बाइड गन जैसी प्रतिबंधित विस्फोटक सामग्री के अवैध विक्रय, उपयोग एवं भंडारण की भी सघन जांच की गई।पुलिस टीमों द्वारा भ्रमण के दौरान क्षेत्र के रहवासियों के साथ मोहल्ला मीटिंग आयोजित कर उन्हें साइबर अपराधों से बचाव, नशे के दुष्प्रभाव एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक



किया गया। साथ ही त्यौहारों के दौरान शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई।रहवासियों को विशेष रूप से समझाइश दी गई कि वे कार्बाइड गन जैसी प्रतिबंधित एवं खतरनाक सामग्री का उपयोग न करें और न ही इसके क्रय-विक्रय अथवा भंडारण को बढ़ावा दें। इसके अतिरिक्त अवैध पटाखों के विक्रय एवं भंडारण अथवा इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित पुलिस थाने या इंदौर पुलिस की क्राइम वॉच हेल्पलाइन नंबर 7049108283 पर सूचना दें। इंदौर पुलिस की आमजन से अपील है कि दीपावली का त्यौहार सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। प्रतिबंधित विस्फोटक सामग्री के उपयोग से बचें तथा किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना देकर सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

तीनों मामलों में 10 लोगों पर प्रकरण दर्ज

दहेज प्रताड़ना की शिकार 3 महिला पहुंची पुलिस के पास

इंदौर (नसं)। महिला थाने में दहेज प्रताड़ना के तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। तीनों मामलों में महिलाओं ने अपने पति और ससुराल पक्ष के सदस्यों पर दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने कुल 10 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।



पहले मामले में सपना परिडवाल (32) निवासी गोमा की फेल, मालवा मिल ने पति जसवंत, जानकी और रामकिशन के खिलाफ शिकायत की है। फरियादिया का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग कर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। दूसरे मामले में आनंद बिहार कॉलोनी निवासी उर्वशी दावानी (29) ने पति निखिल, मीनू और राजेश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला का आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया गया। वहीं, तीसरे मामले में सम्राट नगर, खजराना निवासी रुबीना (32) ने पति अब्दुल कादिर, सलीमुद्दीन खुमानी, बिस्मिल्ला और मोईनुद्दीन खुमानी के खिलाफ शिकायत की है। उन्होंने भी दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है।

लकड़ी के पीठे में लगी भीषण आग

इंदौर। जीएनटी मार्केट स्थित एक लकड़ी के पीठे में शनिवार तड़के अचानक भीषण आग लग गई। लपटें उठती देख आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 6 हजार लीटर पानी का इस्तेमाल कर एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। बताते है कि घटना सुबह करीब 5 बजे की है। जीएनटी मार्केट में हिम्मतसिंह पिता अंतरसिंह के लकड़ी के पीठे में अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे पीठे में रखी आरा मशीन, कटर मशीन, धार मशीन और भारी मात्रा में रखी लकड़ियां जलकर खाक हो गई। प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

घर के बाहर खड़ी ईवी लोडिंग गाड़ी चोरी

इंदौर। घर के बाहर खड़ी ईवी लोडिंग गाड़ी चोरी हो गई। भंवरकुआ पुलिस के अनुसार, फरियादी श्रेयांश बेतावला (37) निवासी जानकी नगर एक्सटेंशन ने शिकायत में बताया कि उनकी अश्वा कंपनी की नीले रंग की ईवी लोडिंग गाड़ी घर के बाहर खड़ी थी, जिसे सुबह 6 बजे से 11:30 बजे के बीच कोई अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया। वाहन की तलाश करने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर फरियादी ने 30 अक्टूबर को भंवरकुआं थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

21 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त, दो पकड़ाए

इंदौर (नगर संवाददाता)। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चंदन नगर पुलिस ने दो युवकों को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा है। आरोपी बजाज पल्सर बाइक से जा रहे थे। तलाशी के दौरान उनके पास से 21 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 2 लाख 10 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक सेवनासिंह ओसारी की टीम कलारिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान प्लेथिको कंपनी के पास सामने से रॉन्ग साइड आ रही पल्सर बाइक को रोककर तलाशी ली गई। बाइक पर सवार आशिफ निवासी सहयोग नगर और शाहिद निवासी चंदुवाला रोड, चंदन नगर के कब्जे से 21 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से बरामद ड्रग्स की कीमत करीब 2 लाख 10 हजार रुपए आंकी है। इसके अलावा करीब 80 हजार रुपए कीमत की बजाज पल्सर बाइक (एमपी 09 वीजी 9396) भी जब्त की गई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत केस दर्ज कर ड्रग्स के स्रोत और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सोलर ऊर्जा से उद्योगों को मिलेगी राहत, लघु उद्योग भारती ने किया जागरूक

पीथमपुर। लघु उद्योग भारती पीथमपुर इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को सोलर ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। RAYNOV सोलर एनर्जी, ZED और ECOFY के सहयोग से आयोजित सेमिनार में उद्यमियों को सौर ऊर्जा के उपयोग, बिजली खर्च में कमी, सरकारी अनुदान और उद्योगों की गुणवत्ता सुधारने से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और भगवान विश्वकर्मा के पूजन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। लघु उद्योग भारती पीथमपुर इकाई के अध्यक्ष राजेश जैन ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोलर ऊर्जा और सरकारी योजनाओं का लाभ उद्यमियों तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इकाई की टीम उद्योगों को इन योजनाओं से जोड़ने के लिए सहयोग करेगी। मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता आकाश बंसल ने बिजली की समयानुसार खपत और सौर ऊर्जा उत्पादन के बीच तालमेल के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि दिन के समय सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाकर बिजली बिल में कमी लाने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती संगठन के सदस्य एवं उद्यमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

5 बदमाशों पर लगाई कड़ी पाबंदिया, 9 को किया जिले से बाहर

इंदौर। पुलिस द्वारा लगातार आदतन एवं सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध लगातार कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जोन के पुलिस अधिकारियों द्वारा आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही के प्रस्तुत प्रतिवेदनों के परीक्षण एवं प्रकरणों के विचारण उपरांत, पुलिस आयुक्त इंदौर द्वारा 9 कुख्यात बदमाशों के विरुद्ध जिलाबदर आदेश तथा 5 अन्य आदतन अपराधियों के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं।ये बदमाश आदतन अपराधी है और लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं तथा इनके विरुद्ध शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विभिन्न गंभीर धाराओं के अनेक अपराध पंजीबद्ध हैं। पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किए जाने के बावजूद भी इनके आपराधिक कृत्यों में कोई सुधार नहीं आया तथा इनके कारण क्षेत्र की लोकशांति एवं शांति-व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही थी। इन्हीं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के अंतर्गत इनके विरुद्ध कार्यवाही हेतु प्रकरण संबंधित जोन द्वारा पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिन पर विधिवत विचारण उपरांत पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा निम्न आदेश पारित किए गए–

09 कुख्यात बदमाश जिलाबदर- फैजान उर्फ टिन्ना पिता मंजूर अली, थाना चंदन नगर (अवधि 03 माह),- फरीद खान पिता अब्दुल कमर उर्फ मुन्ना खान थाना एमजी रोड, (अवधि 03 माह), करण पिता भगू उर्फ भगवान वाकोडे, थाना एरोड्रम (अवधि 06 माह), उत्कर्ष पिता शैलेंद्र दुबे उम्र 20 वर्ष, निवासी 59/1 शंकरगंज जिंसी थाना मल्हारगंज, इंदौर – (अवधि 03 माह),योगेश उर्फ शेरा पिता राजेंद्र उर्फ राजू बारोड, थाना लसुडिया(अवधि 06 माह), रिंकु उर्फ विकास पिता मोहन लोधी, थाना तिलक नगर(अवधि 03 माह), विनोद उर्फ पत्रू पिता प्रमोद सिंह जादौन, थाना परदेशीपुरा(अवधि 03 माह),आर्यन पिता स्व राजेंद्र पटेल, थाना हीरानगर(अवधि 03 माह), राहुल उर्फ पप्पू पिता बीरेंद्र कोष्टी, थाना हीरानगर(अवधि 03 माह)उक्त 09 बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर (नगरीय एवं ग्रामीण) तथा उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने के आदेश जारी किए गए हैं।

5आदतन बदमाशों पर निर्बंधन आदेश-धमेन्द्र उर्फ छोटू पिता कमल किशोर धीमान, थाना पलासिया (अवधि 01 वर्ष), संतोष पिता राजकुमार तलगैया, थाना संयोगितागंज (अवधि 01 वर्ष), दीपक पिता हंसराज शिंदे,थाना लसुडिया (अवधि 01 वर्ष),4. प्रभाकर पिता कैलाश बिसे, थाना लसुडिया (अवधि 01 वर्ष),5. रामबहादुर पिता चन्द्रिका प्रसाद कैथवास, थाना परदेशीपुरा(अवधि 06 माह)

निर्बंधन आदेश के तहत प्रमुख शर्तें-जनिधारित अवधि तक संबंधित थाना क्षेत्र में नियमित हाजिरी देना अनिवार्य होगा।किसी भी प्रकार की अवैध अथवा आपराधिक गतिविधि में संलिप्त नहीं रहेंगे। लोकशांति एवं कानून-व्यवस्था भंग करने वाली किसी भी गतिविधि में भाग नहीं लेंगे।आदेश में निर्धारित अन्य सभी प्रतिबंधात्मक शर्तों का पालन करना होगा।यदि संबंधित बदमाशों द्वारा निर्बंधन आदेश की किसी भी शर्त का उल्लंघन किया जाता है, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।उक्त प्रकरणों में शासन की ओर से एडीपीओ अजय प्रताप बुंदेला द्वारा पैरवी की गई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 2 से 4 नवंबर तक इंदौर में

इंदौर (राष्ट्रीय जनभावना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 2, 3 एवं 4 नवंबर को इंदौर में आयोजित हो रही है। कार्यकारी मंडल की बैठक के पूर्व आज शनिवार को संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पत्रकारों को संबोधित किया। श्री आंबेकर ने कहा कि विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक शताब्दी वर्ष के निमित्त देशभर में विविध कार्यक्रम एवं उपक्रम आयोजित हुए। बैठक में इन कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ संघ कार्य के विस्तार एवं आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा।

बैठक में देशभर के लगभग 408 कार्यकर्ता अपेक्षित हैं। इनमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवतजी , सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले जी, सभी सहसरकार्यवाह, कार्यविभागों के प्रमुख, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, 11 क्षेत्रों एवं 46 प्रांतों के संघचालक, सहसंघचालक, कार्यवाह, सह कार्यवाह, प्रचारक एवं सह प्रचारक सम्मिलित होंगे।

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा, कार्य विस्तार, संगठनात्मक रचना एवं आगामी कार्ययोजना पर होगा विचार-विमर्श





संघ कार्य का विस्तार एवं समाज की सहभागिता

वर्तमान में देशभर में संघ की 1,01,151 दैनिक शाखाएं संचालित हो रही हैं। साप्ताहिक मिलन एवं अन्य गतिविधियों सहित लगभग 1,10,849 स्थानों तक संघ कार्य पहुंचा है। पिछले वर्ष अक्टूबर की तुलना में 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं प्रारंभ हुई हैं। शताब्दी वर्ष के पूर्व तीन वर्षों के लिए बनाई गई, कार्य विस्तार की योजना की उपलब्धियों एवं अनुभवों की समीक्षा होगी।शताब्दी वर्ष में देशभर में 65,660 हिंदू सम्मेलन आयोजित हुए। नगरों में बस्ती स्तर पर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मंडल स्तर पर हुए इन सम्मेलनों को समाज का व्यापक समर्थन मिला। गृह संपर्क अभियान में भी लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संघ का प्रयास रहेगा कि समाज की संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा प्रारंभ किए जाने वाले समाजहित के उपक्रमों में स्वयंसेवक अपने अनुभव के आधार पर सहयोग करें।

महिलाओं एवं युवाओं की सहभागिता

गृह संपर्क, प्रमुख जन गोष्ठियों एवं हिंदू सम्मेलनों में महिलाओं की सहभागिता उल्लेखनीय रही। युवाओं एवं युवतियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों, विश्वविद्यालय परिसरों एवं अन्य स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में भी अच्छी सहभागिता हुई। युवाओं की आकांक्षाओं, देश एवं समाज से जुड़े विषयों और उनके सुझावों के आधार पर आगामी कार्यक्रमों की दिशा तय की जाएगी।

संगठनात्मक एवं सामाजिक विषय

बैठक में संघ की संगठनात्मक रचना में प्रस्तावित परिवर्तनों पर विचार होगा। इसके पश्चात मार्च में नागपुर में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के पूर्व संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया जिला, विभाग, प्रांत एवं क्षेत्र स्तर से आगे बढ़ेगी। इसी क्रम में मार्च में सरकार्यवाहजी का निर्वाचन होगा। संगठनात्मक विषयों के अतिरिक्त समाज जागरण के विषयों पर भी इस बैठक में योजना बनायी जावेगी। नशीले पदार्थों के बढ़ते चलन पर भी विशेष चर्चा होगी। सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाने की योजना बनाई जाएगी।

वैश्विक संवाद एवं पंच परिवर्तन

शताब्दी वर्ष में पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी के अमेरिका, कनाडा एवं इंग्लैंड प्रवास के दौरान हुए वैश्विक संवाद की समीक्षा होगी। भारत के चिंतन, हिंदुत्व की सही समझ एवं विश्व कल्याण में भारत की भूमिका के संदर्भ में हुए संवाद को आगे बढ़ाने पर विचार होगा। संत रविदास जी की 650वीं जयंती के कार्यक्रमों की भी समीक्षा तथा आगामी कार्यक्रमों की योजना पर विचार होगा।

शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुरूप जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, स्व का बोध एवं नागरिक कर्तव्य अर्थात पंच परिवर्तन के विषय समाज तक पहुंचाने के प्रयास हुए हैं। आगामी समय में समाज की विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों के साथ मिलकर इन विषयों पर नए कार्यक्रम एवं अभियान चलाने की योजना बनेगी।

बैठक के अंतिम दिन 4 नवंबर को माननीय सरकार्यवाह जी पत्रकार वार्ता में बैठक के विचार-विमर्श, समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी देंगे तथा पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर देंगे।

वंदे मातरम नृत्य प्रतियोगिता : छात्र-छात्राओ ने जमाया रंग

इंदौर । वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित नृत्य प्रतियोगिता के अंतर्गत आज महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दी ।



लोक संस्कृति मंच के संयोजक एवं सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि छत्रपति शिवाजी के शौर्य को दर्शाती महाराष्ट्र से देशभक्तिऔर देशभक्ति की बयार कलाकारो ने तबले की थाप और वायलिन की थिरकति धुन के साथ महाराष्ट्र के गौरव को मंच पर प्रस्तुत किया मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी के छात्र छात्राओं ने पारंपरिक फैशन शो में वंदे मातरम की धुन जो कि उन्होने खुद तैयार की थी और जहां उन्होंने राजस्थान की मिट्टी की खुशबू बिखेरी तो साथ में आसाम ब्रह्मपुत्र की वदियो की महक भी इसमें नजर आई। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से आईटी के छात्र-छात्राओं की टीम ने स्वयं रचित वंदे मातरम की धुन पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी उनकी प्रस्तुति देखकर देशभक्ति हिलोरे लेने लगी थी। संकल्प वर्मा एवं विशाल गिद्वानी ने बताया कि जाति मजहब से ऊपर सबसे पहले हम इंसान हैं इनमें बसी है देश भक्ति हम सब एक समान है का संदेश लेकर आई आईपीएस अकादमी की टीम ने देशभक्ति के साथ मे जाति धर्म और प्रांत की दीवार को तोड़कर महान सेनापतियों की योगदान और त्याग को दर्शाया । फैशन शो के माध्यम से प्रेस्टीज कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति के जज्बे को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दर्शाया और साथ में गीता के अमर संदेश यदा यदा ही धर्मस्य पीछे से गूंज रहा था इतिहास में भारत के शक्ति प्रदर्शन को भी इसमें दर्शाया गया। वहीं प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट के मैनेजमेंट के छात्रों ने भी अपनी प्रस्तुती दि। और एकता में अनेकता दर्शाते हुए आईपीएस अकादमी के मैनेजमेंट छात्रों ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया।

केंद्र सरकार के समान महंगाई राहत देने की मांग की

इन्दौर (ई) प्रदेश के करीब पांच लाख पेंशनभोगियों को केंद्र सरकार के समान 63 प्रतिशत महंगाई राहत (डीआर) देने की मांग वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन ने सरकार से की है। एसोसिएशन के भगवतीप्रसाद पंडित के अनुसार प्रांताध्यक्ष राजकुमार दुबे ने मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री को पत्र भेजकर जनवरी से 2 प्रतिशत और जुलाई से 3 प्रतिशत डीआर बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों को 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता एवं राहत मिल रही है, जबकि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों को 63 प्रतिशत मिल रही है। इस तरह प्रदेश के पेंशनभोगी 5 प्रतिशत पीछे हैं। उन्होंने जनवरी से अक्टूबर तक की 2 प्रतिशत वृद्धि के 10 माह तथा जुलाई से अक्टूबर तक के 3 प्रतिशत वृद्धि के 4 माह के एरियर भुगतान के आदेश जारी करने की भी मांग पत्र में की है।

मैच का सट्टा खाते सटोरिया धराया, मोबाइल लैपटॉप, पेनड्राइव, रजिस्टर और नकदी जब्त



इन्दौर (ईएमएस) मुखबिर सूचना पर पुलिस ने एक घर में दबिश मारकर भारत न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच का सट्टा को खाते एक सटोरिए को गिरफ्तार किया है। मामला लसूडिया थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार मोहिनी मेंशन पंचवटी गेट में एक घर में दबिश मारकर वहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रहे क्रिकेट के सट्टे को खाते हुए कमलसिंह निवासी सिलखेड़ा जिला सिहोर को गिरफ्तार किया वह मोबाइल और लैपटॉप के माध्यम से सट्टा ले रहा था। पुलिस उसका मोबाइल लैपटॉप, पेनड्राइव, रजिस्टर और नकदी जब्त कर उससे पूछताछ कर रही है कि वह कब से सट्टा संचालित कर रहा था।

संदिग्धावस्था में मिला युवती का शव, पुलिस कर रही जांच

इन्दौर (इ) कल रात परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में सुगनी देवी कॉलेज के सामने स्थित बंद दुकानों के पास एक युवती का शव संदिग्धावस्था में पड़ा होने की सूचना के बाद क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम हेतु भिजवा जांच कार्रवाई शुरू की।



पुलिस के अनुसार स्थानीय निवासियों ने युवती को बेसुध हालत में देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो युवती की मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में मृतका की पहचान पिंकी पिता गणेश निवासी तीन पुलिया परदेशीपुरा के रूप में हुई है। जांच के दौरान युवती के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। उसका मायका भागीरथपुरा में है। पुलिस को उसके मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि पिंकी का पहला विवाह जूनी इंदौर इलाके में हुआ था। पहले पति से उसे दो बच्चियां हैं, जो पति के पास रहती हैं। फिलहाल पिंकी तीन पुलिया पर गणेश नामक युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में सालभर से रह रही थी। कल गणेश पिंकी के रिश्तेदारों के घर पहुंचा और बोला कि पिंकी की मौत हो गई। उसके बाद से गणेश फरार है। मायके पक्ष के लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि पिंकी के साथ गणेश और उसकी मां ने मारपीट की। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवती वहां कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

उत्साह और उमंग के साथ निकली रन फॉर यूनिटी

इंदौर। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। एकता, अखंडता और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता का संदेश लेकर निकली इस दौड़ में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नेहरू स्टेडियम से सुबह प्रारंभ हुई।



इस एकता दौड़ का शुभारंभ विधायक श्री महेंद्र हार्डिया एवं अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ में शामिल युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। एकता दौड़ नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर जीपीओ, शिवाजी वाटिका, एमपीपीएससी चौराहा, ट्रैफिक पार्क और रेसीडेंसी होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर युवाओं को एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिये राष्ट्रीय की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में अ का स्मरण करते हुए युवाओं और नाग एकता, अखंडता, आपसी सद्भाव एवं भावना को और अधिक सुदृढ़ करना थ माध्यम से नागरिकों को एकजुट होकर और सुरक्षा में सहभागी बनने का संदे एकता दौड़ में विभिन्न शासकीय अ संस्थानों के छात्र छात्राये, एनर एनएसएस, स्काउट्स, प्रोफेसर, खेल गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।इ अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय की शपथ दिलाई गई। यह शपथ संयुक्त व श्रुति अग्रवाल द्वारा दिलाई गई।



इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने माल्यार्पण किया

देवास नकली शराब कांड –

केमिकल सप्लाई करने वाला इन्दौर का व्यापारी अमन कासलीवाल 2 नवंबर तक रिमांड पर

इन्दौर (ई) देवास जिले के चंदाना में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में पुलिस ने इन्दौर के व्यापारी और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता के बेटे अमन कासलीवाल को गिरफ्तार किया था उसने आरोपियों को मेथेनाल सप्लाई की थी जिसको मिलाकर अवैध शराब बनाई गई थी।? पुलिस जांच में सामने आया है कि अमन पिता आनंद कासलीवाल थिनर के नाम पर मेथेनॉल बेच रहा था। अमन ने मेथेनॉल को एक सादे नीले ड्रम में भरकर ट्रांसपोर्ट से आरोपी अजय तक पहुंचाया था। इसके बाद अजय और उसके साथियों ने इसी केमिकल से अवैध शराब तैयार की थी फिर इस शराब को आरोपी विनोद जायसवाल और अन्य लोगों के माध्यम से बेचा गया था। पुलिस को उसके गोडाउन और ऑफिस से जब्त लैपटॉप तथा उसके मोबाइल में बिक्री का डेटा भी मिला है। इसमें प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के 95 लोगों की सूची है जो कि उसके ग्राहक बताए जा रहे हैं। पुलिस अब इस सूची के आधार पर मेथेनॉल की खरीद-बिरी के पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। बता दें कि इस जहरीली शराब कांड मामले में पुलिस अब तक 10 आरोपियों के अलावा केमिकल सप्लाई करने वाले अमन को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से अजय उर्फ अज्जू राठौर, विशाल चौहान, सत्येंद्र ओझा और केमिकल व्यापारी अमन को पुलिस ने 2 नवंबर तक रिमांड पर ले लिया है। पुलिस अमन से उन 95 लोगों की पहचान कर केमिकल के वास्तविक उपयोग की जांच करेगी।



थिनर बताकर बेचता था मेथेनॉल, 95 खरीदारों की मिली जानकारी

उत्साह के साथ मनेगा म.प्र. का स्थापना दिवस

इंदौर। मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस एक नवम्बर को इंदौर में उल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्थापना दिवस का मुख्य समारोह नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में राजेंद्र नगर स्थित लता मंगेशकर सभागृह में प्रातः 10:30 बजे से आयोजित होगा। समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा विकासात्मक गतिविधियों और उत्पादों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के अंतर्गत हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए जाएंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के प्रमुख शासकीय भवनों को रोशनी से सजाया जाएगा। सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

बिना अनुमति काट दी कॉलोनी, प्लॉट बेचे, अब केस दर्ज किया

इंदौर। बेटमा थाना क्षेत्र के ग्राम कालीबिल्होद में बिना सक्षम अनुमति के कॉलोनी विकसित कर भूखंड बेचने का मामला सामने आया है। राजस्व विभाग की शिकायत पर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, फरियादी राहुल मुजाल्दे (36) राजस्व निरीक्षक, बेटमा वृत्त ने शिकायत में बताया कि ग्राम कालीबिल्होद में भूमि सर्वे नंबर 91/1/1/1, जिसका रकबा 0.046 हेक्टेयर है, पर रामेश्वर चंदेल द्वारा बिना सक्षम अनुमति के अवैध रूप से कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है। आरोप है कि यहां भूखंड काटकर लोगों को बेचे जा रहे हैं। राजस्व निरीक्षक के मुताबिक, इस तरह बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करने और भूखंडों की बिक्री से खरीदारों को भविष्य में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मामले की शिकायत के आधार पर बेटमा पुलिस ने 3आरोपी रामेश्वर पिता बापूसिंह चंदेल निवासी ग्राम चटवाड़ा, तहसील देपालपुर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विक्रम यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में 26 घंटे बिजली-पानी ठप, कच्ची रोटियां लेकर प्रदर्शन करने बैठीं छात्राएं

उज्जैन।

विक्रम विश्वविद्यालय के विद्योत्तमा छात्रावास में अव्यवस्थाओं को लेकर शनिवार को छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। करीब 26 घंटे तक बिजली गुल रहने, पानी की समस्या, मेस में खराब खाना और सफाई व्यवस्था से परेशान छात्राओं ने दोपहर करीब 3 बजे विरोध प्रदर्शन किया।





इस दौरान छात्राएं मेस की कच्ची और जली हुई रोटियां लेकर बैठ गईं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने हॉस्टल की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग रखी।

छात्राओं का आरोप है कि बिजली बंद रहने से पानी की सप्लाई, वाटर कूलर और अन्य सुविधाएं प्रभावित हुईं। लो-वोल्टेज के कारण 12 चार्जर, दो वाई-फाई राउटर और एक मोबाइल खराब होने का भी दावा किया गया। छात्राओं का कहना है कि उन्होंने वार्डन से लेकर कुलपति तक शिकायत की, लेकिन समय पर समस्या का समाधान नहीं हुआ।

प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने मेस में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि कई बार रोटियां अंदर से कच्ची, जली हुई और सूखी परोसी जाती हैं। लंबे समय से खाने की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ है। छात्राओं ने बताया कि पहले बाहर से खाना मंगाने की अनुमति भी नहीं थी, बाद में लिखित आवेदन देने पर टिफिन और फूड पार्सल मंगाने की छूट मिली।

छात्राओं ने सुरक्षा गार्डों पर बदसलूकी करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि शुक्रवार रात भी गार्ड के व्यवहार से परेशान होकर डायल-112 पर शिकायत की गई थी, जिसके बाद पुलिस हॉस्टल पहुंची। इसके अलावा परिसर में गंदगी और कचरा जमा रहने से सांप-बिच्छू निकलने की शिकायत भी की गई।

हॉस्टल वार्डन डॉ. अंजली श्रीवास्तव ने बताया कि बिजली के बड़े फॉल्ट की जानकारी मिलने पर छात्राओं को सूचना दी गई थी। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मरम्मत की, लेकिन बाद में लो-वोल्टेज की समस्या सामने आई। उन्होंने बताया कि छात्राओं की परेशानी को देखते हुए बाहर से टिफिन मंगाने की अनुमति भी दी गई है। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है और अधिकारियों की टीम मौके पर भेजी गई है। छात्राओं की शिकायतें सुनकर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा।

उज्जैन जिला कोर्ट में बुजुर्ग ने खाया जहरीला पदार्थ

21 हजार रुपए के लेनदेन से था परेशान; मारपीट कर पैसे छीनने और धमकी देने का लगाया आरोप

उज्जैन।

जिला कोर्ट परिसर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक बुजुर्ग ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। घटना के बाद कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें चरक अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया। बुजुर्ग की पहचान फाजलपुरा निवासी अब्दुल अजीज के रूप में हुई है। उन्होंने पैसों के लेनदेन और लगातार मिल रही कथित प्रताड़ना से परेशान होकर यह कदम उठाने की बात कही है।

अस्पताल में उपचार के दौरान अब्दुल अजीज ने आरोप लगाया कि पिछले करीब एक साल से साजिद और असलम नाम के दो लोग पैसों के लेनदेन को लेकर उन्हें परेशान कर रहे हैं। उनके मुताबिक, साजिद के 21 हजार रुपए बकाया थे। इसमें से 7 हजार रुपए उन्होंने चिमनगंज मंडी थाने में लिखित कार्रवाई के तहत जमा कराए थे। इसके अलावा साजिद उनके घर आकर भी 7 हजार रुपए ले चुका है। इसके बावजूद दोनों की ओर से अलग-अलग थानों में शिकायतें कर उन्हें परेशान किया जा रहा है।



बुजुर्ग ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले उनके साथ मारपीट की गई थी और जेब में रखे 300 रुपए छीन लिए गए थे। उनका कहना है कि आए दिन उनके साथ मारपीट कर पैसे ले लिए जाते हैं। इतना ही नहीं, उनके बच्चे को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। अब्दुल अजीज के अनुसार, उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत एसपी कार्यालय और संबंधित थाने में भी की थी, लेकिन परेशानी जारी रही।

अब्दुल अजीज ने बताया कि शनिवार को भी वे इसी मामले को लेकर जिला कोर्ट पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिसकर्मी सक्रिय हुए और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

माधवनगर थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि बुजुर्ग के जहरीला पदार्थ सेवन करने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। फिलहाल उनका चरक अस्पताल में उपचार जारी है। उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया और इसके पीछे वास्तविक कारण क्या हैं, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस बुजुर्ग के बयान और उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

सिंहस्थ-2028 की तैयारी- बेगमबाग में फिर चला बुलडोजर 11 मकान हटाए; अब तक 83 निर्माणों पर कार्रवाई

उज्जैन।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर में सड़क चौड़ीकरण और विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार सुबह महाकाल मंदिर मार्ग स्थित बेगमबाग क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। हरिफाटक ब्रिज के चौड़ीकरण और मंदिर मार्ग पर प्रस्तावित निर्माण कार्य में बाधक बन रहे 11 मकानों को उज्जैन विकास प्राधिकरण ने जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से हटाया। कार्रवाई के दौरान नगर निगम, UDA और पुलिस का संयुक्त अमला तैनात रहा।

UDA के संपदा अधिकारी जीवन मोगी के अनुसार, जिन निर्माणों को हटाया गया, वे हरिफाटक ब्रिज के चौड़ीकरण की जद में आ रहे थे। संबंधित भूखंडों की लीज पहले ही निरस्त की जा चुकी थी। प्रभावित लोगों को कार्रवाई से पहले सूचना दी गई थी और सामान हटाने का समय भी दिया गया। इसके बाद शनिवार को निर्माण हटाने की कार्रवाई की गई। UDA के मुताबिक, बेगमबाग क्षेत्र में आवासीय उपयोग के लिए 45 भूखंड 30 साल की लीज पर दिए गए थे। प्रत्येक भूखंड का क्षेत्रफल करीब 2400 वर्गफीट था। इनकी लीज लगभग 15 साल पहले समाप्त हो चुकी थी। मामला न्यायालय में लंबित होने और स्टे मिलने के कारण कार्रवाई रुकी हुई थी। हाल ही में स्टे समाप्त होने के बाद प्राधिकरण ने कब्जे हटाने की प्रक्रिया शुरू की।



प्राधिकरण के अनुसार, लीज की शर्तों का उल्लंघन कर कई भूखंडों का आवासीय उपयोग करने के बजाय व्यावसायिक इस्तेमाल किया गया। साथ ही बड़े भूखंडों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर करीब 90 निर्माण कर लिए गए थे। इसी के चलते प्राधिकरण ने कार्रवाई शुरू की। बेगमबाग में शनिवार को हुई कार्रवाई को ब्ब की सातवीं बड़ी कार्रवाई बताया गया है। इससे पहले यहां 72 मकान हटाए जा चुके थे। शनिवार को 11 और मकानों को हटाने के बाद अब तक कुल 83 निर्माणों पर कार्रवाई हो चुकी है। सिंहस्थ-2028 को देखते हुए हरिफाटक ब्रिज चौड़ीकरण और महाकाल मंदिर मार्ग के विकास के लिए इस क्षेत्र को बाधामुक्त किया जा रहा है।

मंडी में गेहूं की आवक बढ़ी तो सड़क पर होने लगी नीलामी, फड़ हुए फुल

3431 रुपए क्विंटल तक मिले भाव

उज्जैन।

दीपावली से पहले किसान अपनी उपज बेचकर नकदी जुटाने में लगे हैं। इसके चलते कृषि उपज मंडी में गेहूं और सोयाबीन की आवक बढ़ गई है। अच्छी कीमत मिलने की उम्मीद में बड़ी संख्या में किसान मंडी पहुंच रहे हैं। हालात यह हैं कि गेहूं की नीलामी के लिए बनाए गए फड़ पूरी तरह भर गए हैं और अब किसानों को सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर उपज की नीलामी करवानी पड़ रही है।



दरअसल, जिले में रबी सीजन की बुवाई का काम लगभग पूरा होने वाला है। ऐसे में किसान बुवाई के लिए रखे गेहूं के अलावा बची हुई उपज मंडी में बेचने ला रहे हैं। दूसरी ओर बाजार में गेहूं के भाव भी अच्छे बने हुए हैं। शुक्रवार को मंडी में गेहूं की 4163 बोरी आवक दर्ज की गई। इसके भाव 2500 से 3431 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे। वहीं, सोयाबीन की आवक भी काफी रही। मंडी में 13072 बोरी सोयाबीन नीलामी के लिए पहुंची, जिसके भाव 2500 से 7200 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे।

गेहूं के भाव 3400 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास मिलने से किसानों का रुझान मंडी की ओर बढ़ा है। आवक अधिक होने के कारण नीलामी व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ गया है। फड़ भरने के बाद सड़क पर खड़े वाहनों से ही गेहूं की नीलामी की जा रही है।

ट्रेन में चढ़ते यात्री का मोबाइल उड़ाया

उज्जैन। तीन दिन पहले रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर ट्रेन में चढ़ रहे युवक की पैंट की जेब से अज्ञात बदमाश ने मोबाइल चोरी कर लिया था। जीआरपी ने पंवासा में रहने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि देवराखेड़ी के रहने वाले प्रवीण आंजना बुधवार को नई दिल्ली एक्सप्रेस में बैठने के लिये प्लेटफार्म 1 पर पहुंचे थे। ट्रेन में चढ़ते समय अज्ञात बदमाश ने उनकी पैंट की जेब से 28 हजार रुपए कीमत का मोबाइल चुरा लिया।

चलती कार में युवती से अश्लील हरकत का मामला, दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस की दबिश

मुख्य आरोपी 5 नवंबर तक रिमांड पर

उज्जैन।

इंदौर की युवती के साथ चलती कार में नशीली कॉफी पिलाकर अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी की तलाश तेज कर दी है। नानाखेड़ा पुलिस ने नगरकोट माता क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी राजेश पंथी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह घर पर नहीं मिला। वहीं, मामले के मुख्य आरोपी चक्रेश जैन को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उससे वारदात में इस्तेमाल कार बरामद करने के साथ ही अन्य पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है।

नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव के मुताबिक, इंदौर निवासी युवती ने जयसिंहपुरा निवासी चक्रेश जैन सहित पांच युवकों पर नशीली कॉफी पिलाकर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। सोमवार शाम हुई घटना के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी चक्रेश जैन को मंदसौर के पिपल्यामंडी से गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश कर सात दिन का रिमांड मांगा गया, जिस पर न्यायालय ने 5 नवंबर तक पुलिस रिमांड मंजूर किया है।



पूछताछ में चक्रेश ने वारदात के दौरान कार में अपने दोस्त राजेश पंथी के मौजूद होने की बात बताई है। इसके बाद पुलिस ने नगरकोट क्षेत्र में राजेश के घर दबिश दी, लेकिन वह फरार मिला। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद चक्रेश गुजरात के वड़ोदरा चला गया था और कार वहीं छोड़ दी थी। अब कार की बरामदगी के लिए पुलिस टीम भेजी जा रही है।

पुलिस पूछताछ में चक्रेश ने बताया कि उसका दोस्त राजेश पंथी ढांचा भवन क्षेत्र में रहने वाले एक सटोरिये के यहां मुनीम का काम करता था। इसी दौरान दोनों की पहचान हुई और दोस्ती हो गई। चक्रेश ने पूछताछ में यह भी बताया कि युवती के साथ कथित हरकत के समय कार में केवल दो लोग मौजूद थे, जबकि युवती ने अपनी शिकायत में पांच लोगों पर आरोप लगाए हैं। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश के साथ युवती के आरोपों और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

164 करोड़ से बनेगा भव्य कालभैरव लोक, निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

एक साल में पूरा करने का लक्ष्य



उज्जैन।

महाकाल लोक के बाद अब बाबा कालभैरव मंदिर क्षेत्र को भी भव्य स्वरूप देने की तैयारी तेज हो गई है। भैरवगढ़ स्थित श्री कालभैरव मंदिर परिसर में करीब 164 करोड़ रुपए की लागत से कालभैरव लोक का निर्माण कराया जा रहा है। परियोजना का काम अब गति पकड़ने लगा है। निर्माण के लिए मंदिर के मुख्य मार्ग के पीछे स्थायी निकास मार्ग तैयार किया जा रहा है। इस पर पिछले डेढ़ महीने से काम चल रहा है और अगले 4 से 5 दिनों में इसे शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्थायी निकास मार्ग चालू होने के बाद मुख्य भैरवगढ़ मार्ग को बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद यातायात डायवर्ट कर मुख्य मार्ग पर खुदाई और निर्माण कार्य शुरू होगा। परियोजना के लिए आसपास की दुकानों को खाली करवाकर निर्माण स्थल को तैयार कर लिया गया है। वहीं, पार्किंग निर्माण का काम भी शुरू हो चुका है। पूरी परियोजना को करीब 12 महीने में पूरा करने का अनुमान है, जबकि मंदिरों के निर्माण का लक्ष्य अक्टूबर से दिसंबर 2027 तक निर्धारित किया गया है।

महाकाल लोक के निर्माण के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकालेश्वर मंदिर के साथ शहर के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री के सहयोग से उज्जैन विकास प्राधिकरण (ब्ब) द्वारा कालभैरव लोक परियोजना को आकार दिया जा रहा है।

परियोजना के माध्यम से कालभैरव मंदिर क्षेत्र का विकास कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर दर्शन व्यवस्था, सुगम आवागमन, पार्किंग और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में बाबा कालभैरव के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को व्यवस्थित और सुविधाजनक व्यवस्था मिल सके।

दीपावली पर्व पर लगने वाली अस्थाई पटाखा दूकानों का लॉटरी से हुआ आवंटन

उज्जैन।

दीपावली पर्व पर लगने वाली अस्थाई पटाखा दुकानों का आवंटन लाइसेंस धारी पटाखा व्यवसायियों को लॉटरी के माध्यम से शनिवार को नगर निगम मुख्यालय परिसर में किया गया। अस्थाई पटाखा दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से नगर निगम माल विभाग द्वारा किया जाता हैं, उल्लेखनीय है कि पटाखा दुकान इस बार सामाजिक न्याय परिसर, कार्तिक मेला ग्राउंड ओर नगर निगम मुख्यालय के पीछे पटाखा दुकानें संचालित की जाएगी, जिसमें सामाजिक न्याय परिसर में 75 दुकानें, नगर निगम मुख्यालय के पीछे 50 दुकानें एवं कार्तिक मेला प्रांगण में 23 दुकानें संचालित होगी, इस हेतु शनिवार को सामाजिक न्याय परिसर, कार्तिक मेला क्षेत्र एवं नगर निगम मुख्यालय के पीछे लगने वाली कुल 148 दुकानों का लाटरी के माध्यम से आवंटन राजस्व समिति प्रभारी श्री रजत मेहता, माल विभाग के सहायक आयुक्त श्री राघवेंद्र सिंह पालिया, नायब तहसीलदार श्री पलकेश परमार, माल विभाग के प्रभारी श्री जयसिंह राजपूत, श्री धीरज श्रीवास्तव, पटाखा व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष की उपस्थिति में किया गया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत अयोध्या एवं काशी यात्रा के लिए 256 तीर्थयात्री रवाना

उज्जैन।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत अयोध्या एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु उज्जैन जिले के 256 तीर्थयात्री शनिवार को तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 8 पर उपस्थित तीर्थ यात्रियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही सभी यात्रियों को सुखद एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी गईं

मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले से 256 तीर्थ यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसी क्रम में शनिवार को सभी तीर्थयात्री अयोध्या एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए रवाना हुए। यात्रा को लेकर तीर्थयात्रियों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। यात्रियों ने इस योजना के माध्यम से तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

तिरंगा लेकर सड़क पर दौड़े पुलिसकर्मी, विद्यार्थी और आम नागरिक

उज्जैन में 'रन फॉर यूनिटी' से दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

उज्जैन।

सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को उज्जैन में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। शहर के दशहरा मैदान से जिला पुलिस की ओर से 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। इसमें पुलिसकर्मी, विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स और आम नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर दौड़ते नजर आए। सड़क पर एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज ने आयोजन को खास बना दिया। प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से देश की एकता, अखंडता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

जिला पुलिस की ओर से सुबह 7 बजे आयोजित इस दौड़ की शुरुआत अतिथियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर की। इसमें पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के कैडेट्स, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थी और एनसीसी-एनएसएस के स्वयंसेवकों ने उत्साह से भाग लिया। बड़ी संख्या में आम नागरिक भी आयोजन में शामिल हुए। सभी ने तिरंगा लेकर दौड़ लगाई और सरदार पटेल के देश को एकता के सूत्र में बांधने के योगदान को याद किया।





राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली। इस दौरान राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प दोहराया गया। शहर में एक ओर तिरंगा लेकर दौड़ते पुलिसकर्मियों और नागरिकों ने एकजुटता का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों-कर्मचारियों ने शपथ लेकर सरदार वल्लभाई पटेल के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजनों के माध्यम से शहरवासियों को आपसी भाईचारे और एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

भारत और अमेरिका के शेयर बाजार भी चीन की राह पर : निवेशकों को 329 लाख करोड़ का नुकसान

चीन के शेयर बाजार में भारी गिरावट

नई दिल्ली । दुनिया के शेयर बाजारों में इन दिनों जिस तरह की अनिश्चितता दिखाई दे रही है। उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में उतार-चढ़ाव केवल घरेलू अर्थव्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसका असर वैश्विक पूंजी, विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ रहा है। चीन के शेयर बाजार में 52 सप्ताह तक लगातार गिरावट और 329 लाख करोड़ रुपये के नुकसान निवेशकों को होने की बात सामने आ रही है।

चीन के शेयर बाजार की गिरावट ने सभी शेयर बाजारों में हलचल पैदा कर दी है। 25 अक्टूबर की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से चीनी शेयर बाजार का मूल्य लगभग 31 5 लाख करोड़ डॉलर घट चुका है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 329 लाख करोड़ रुपये होता है। 30 अक्टूबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगातार 12वें सप्ताह गिरावट की ओर था। पिछले 12 सप्ताह में लगभग 14 प्रतिशत बाजार टूट चुका था। यह चीन के शेयर बाजार की कमजोरी का महत्वपूर्ण संकेत है।

चीन की गिरावट के आर्थिक कारण–चीन की अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत की कमजोरी, रियल एस्टेट क्षेत्र का संकट, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का अत्यधिक मूल्यांकन प्रमुख कारण माना जा रहा है। निवेशकों को आशंका है, कंपनियों का उत्पादन और निर्यात बढ़ने के बावजूद घरेलू मांग तथा वास्तविक मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। तकनीकी कंपनियों में भारी निवेश के बावजूद भविष्य में उससे कितना लाभ होगा, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली चिंता का विषय–भारत के शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली है। विदेशी मुद्रा भंडार भी चिंता का विषय बना हुआ है। अक्टूबर के पहले 25 दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 48,056 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। वर्ष 2026 में कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गई है। सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पीछे अमेरिका के सरकारी बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक ब्याज मिलने, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एशियाई तकनीकी कंपनियों में निवेश के बढ़ते आकर्षण मुख्य कारण हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों में निवेश अधिक आकर्षक और सुरक्षित दिखाई दे रहा है।

जिओ की लिस्टिंग से मिली बाजार को राहत–भारतीय शेयर बाजार में अक्टूबर के अंतिम दिनों में कुछ सुधार जरूर आया है। 30 अक्टूबर को सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। पूरे अक्टूबर में सेंसेक्स में 2.7 प्रतिशत और निफ्टी में 1.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। जिओ प्लेटफॉर्म्स की बाजार में लिस्टिंग के बाद उसके शेयरों में लगभग 28 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस तेजी को पूरे बाजार में नई पूंजी के प्रवेश का प्रमाण नहीं है।

अमेरिकी बाजार में भी जोखिम बढ़ा–अमेरिकी शेयर बाजार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों का अत्यधिक मूल्यांकन, ब्याज दरों का दबाव और कंपनियों के भारी पूंजीगत खर्च को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। 29 अक्टूबर को नैस्डैक में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी। अमेरिकी बाजार को तत्काल गंभीर स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। अमेरिका में चुनाव के परिणाम के बाद स्थिति में भारी बदलाव आ सकता है। इसको लेकर सारी दुनिया में आसन का बनी हुई है। अक्टूबर के अंत तक एसएंडपी 500 में सालाना आधार पर 12.8 प्रतिशत की बढ़त बनी हुई थी। चुनाव परिणाम के बाद की स्थितियों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का संकट–दरअसल, दुनिया के शेयर बाजारों में तेजी और गिरावट का खेल अब केवल कंपनियों के मुनाफे पर निर्भर नहीं रह गया है। बड़े निवेशकों के पूंजी आवंटन, एल्गोरिदम आधारित कारोबार, ब्याज दरों, वैश्विक तनाव और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी उम्मीदों का जबरदस्त प्रभाव है। कुछ दिनों की तेजी को बाजार की स्थायी मजबूती मान लेना भारी जोखिम भरा हो सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में घरेलू निवेशकों, म्यूचुअल फंड और एसआईपी के माध्यम से आने वाली पूंजी ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली का काफी दबाव संभाला है। यदि विदेशी निवेश की निकासी भविष्य में भी जारी रहती है, विदेशी मुद्रा भंडार तथा डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्यांकन, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट आती है। वैश्विक आर्थिक संकट गहराता है, कच्चे तेल और ऊर्जा के क्षेत्र में यदि कोई नई चुनौती पैदा होती है। ऐसी स्थिति में भारतीय बाजार में भी बड़ी गिरावट की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

सेबी ने नाकाम किया बड़ा साइबर हमला, कोई डेटा लीक नहीं

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने सिक्योरिटीज मार्केट ट्रेनर्स (स्मार्ट) पोर्टल पर 26 अक्टूबर को हुए एक बड़े साइबर हमले को नाकाम कर दिया है। इस कोडएक्जीक्यूशन हमले को नियामक की सतर्क साइबर सुरक्षा प्रणाली ने समय रहते विफल कर दिया, जिससे किसी भी निवेशक या प्रशिक्षक का कोई संवेदनशील निजी डेटा लीक होने से बच गया। सेबी ने पुष्टि की है कि प्रशिक्षकों और निवेशकों की सभी संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारीजू जैसे नाम, बैंक विवरण, आधार, पैन या पेशेवर प्रमाणपत्र डुप्लीकेट पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्मार्ट पोर्टल में मार्च 2026 तक देश के 245 जिलों में फैले 822 प्रशिक्षक सूचीबद्ध थे, जो बाजार शिक्षा प्रदान करते हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब वित्तीय प्रणालियों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। हमले के तुरंत बाद बाजार नियामक ने अपनी साइबर सुरक्षा टीम को हाई अलर्ट पर रखा और अपने अन्य सभी पोर्टलों की भी गहन सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सर्ट-इन) को घटना की सूचना दे दी गई है। कोडएक्जीक्यूशन हमला वह तरीका है जिसमें हमलावर बिना किसी खाते या पासवर्ड के दूर से ही किसी लक्षित सिस्टम पर दुर्भावनापूर्ण कोड चला सकता है। सेबी पिछले कई दिनों से साइबर टोह से जुड़ी बड़ी संख्या में गतिविधियां देख रहा था, जिन्हें एसओसी (सुरक्षा संचालन केंद्र) में कॉन्फ्रिगर की गई सिक्योरिटी, आर्किटेक्शन, ऑटोमेशन ऐंडरिस्पॉन्स प्रणाली के माध्यम से सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया गया। नियामक हाल ही में क्वांटम युग के जोखिमों से निपटने और बाजार अवसंरचना संस्थानों के लिए दीर्घकालिक प्रौद्योगिकी रोडमैप विकसित करने पर भी जोर दे रहा है। हालांकि, साइबर सुरक्षा और उद्योग जगत के जानकारों ने हालिया घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विशेषज्ञों के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से किए जाने वाले परिष्कृत हमले भारत की वित्तीय प्रणाली को लगातार निशाना बना रहे हैं, जो भविष्य में और बड़ी चुनौतियां पेश कर सकते हैं।

एयू एसएफबी पर डेटा लीक का खतरा

नई दिल्ली । एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एक संभावित डेटा लीक के बड़े खतरे में है। स्कारलेट ग्रुप नामक हैकिंग समूह ने बैंक के ग्राहकों और आंतरिक रिकॉर्ड्स का आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर जैसी संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा किया है। हैकर्स ने बैंक को बातचीत के लिए छह दिन की समय सीमा दी है और डेटा सार्वजनिक करने की धमकी दी है। बैंक ने हालांकि अपने मुख्य सिस्टम को सुरक्षित बताया है, पर सेल्सफोर्स ऐप से जुड़े सीमित डेटा ब्रीच की संभावना स्वीकार की है। हैकर्स का दावा है कि लीक हुए डेटा में ग्राहकों के आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर, बैंक स्टेटमेंट और ऋण संबंधी विवरण, साथ ही आंतरिक कंपनी रिकॉर्ड भी शामिल हैं। इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बैंक ने पुष्टि की है कि केवल उसके वाहन वित्त ग्राहकों से जुड़ी सीमित जानकारी प्रभावित हुई है। बैंक का कहना है कि मुख्य बैंकिंग सिस्टम अप्रभावित है और सभी सेवाएं सामान्य हैं; मामले की गहन जांच जारी है। ग्राहकों को अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने, ओटीपी/पिन/पासवर्ड साझा न करने, और नियमित रूप से लेनदेन की जांच करने को कहा गया है। संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना बैंक को देने की सलाह दी गई है।

पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित पहला कीटनाशक अणु पेश किया

नई दिल्ली । पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित किए गए पहले कीटनाशक अणु पायोक्सानिलिप्रोल को लॉन्च किया है। एंथ्रानिलिक डायमाइडवर्ग का यह अभिनव उत्पाद 6 नवंबर को रबी सत्र के दौरान बाजार में उतारा जाएगा, जिसका प्रारंभिक लक्ष्य धान और मक्का की फसलें होंगी। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि पायोक्सानिलिप्रोल एक दशक से अधिक के गहन शोध का परिणाम है। इसे विशेष रूप से भारतीय कृषि परिस्थितियों और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। धनतेरस के अवसर पर इसकी शुरुआत में, कंपनी पहले चरण में धान और मक्का पर केंद्रित रहेगी, जिसे बाद में अन्य फसलों के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआत में इसे रबी सत्र के दौरान उन चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों में सीमित मात्रा में उतारा जाएगा जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, न कि एक साथ देशभर में। पीआई इंडस्ट्रीज का लक्ष्य केवल बिक्री बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के साथ मिलकर काम करना है। इसके तहत लगभग एक लाख किसानों को नमूने उपलब्ध कराकर, खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे प्रतिक्रिया ली जाएगी।

टेलीकॉम कंपनियों के लिए एआई के नए कड़े नियम लाएगा ट्राई

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने देश की दूरसंचार कंपनियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित करने हेतु नए मसौदा नियम प्रस्तावित किए हैं। ये प्रावधान एआई के बढ़ते इस्तेमाल से उत्पन्न संभावित खतरों को नियंत्रित कर उसकी जवाबदेही तय करेंगे। नए नियमों के तहत, लाइसेंस प्राप्त दूरसंचार संस्थाओं को अपने नेटवर्क और सेवाओं में उपयोग होने वाले एआई तंत्र के परिणामों के लिए पूरी तरह जवाबदेह ठहराया जाएगा। एआई सिस्टम चाहे कंपनी ने विकसित किया हो या किसी तीसरे पक्ष से लिया हो, अंतिम जिम्मेदारी संबंधित दूरसंचार कंपनी की ही होगी, जिससे किसी भी खामी के लिए स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। ट्राई के मसौदे अनुसार, प्रत्येक दूरसंचार कंपनी को बोर्ड अनुमोदित आंतरिक एआई नीति बनानी होगी और एक समर्पित प्रशासनिक व सुरक्षा समिति स्थापित करनी होगी। गंभीर एआई घटनाओं की जानकारी नियामक को देना अनिवार्य होगा।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी

उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने मारी बाजी

■ मुंबई



भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी। शुरुआती झटकों और बीच में दबाव के बावजूद, निवेशकों के भरोसे ने बाजार को मजबूत वापसी करने में मदद की, और प्रमुख सूचकांकों ने लगभग 2 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार गिरावट के साथ हुई, जहां सेंसेक्स 500 अंक से अधिक और निफ्टी 185 अंक से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने गजब की वापसी करते हुए पिचले स्तरों से लगभग 2 फीसदी की रिकवरी दर्ज की, और सेंसेक्स 482 अंक तथा निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार एक बार फिर वैश्विक दबाव में दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी बॉन्डयील्ड में बढ़ोतरी और फेड के फैसले से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण गैप-डाउन ओपनिंग हुई। हालांकि, दिन के अंत तक बाजार ने अपनी अधिकांश गिरावट को कम कर दिया और लगभग सपाट बंद हुआ। बुधवार को भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में नुकसान के साथ-साथ कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले का इंतजार बाजार पर हावी रहा। सेंसेक्स 352 अंक और निफ्टी 50 अंक से अधिक टूटकर बंद हुए। बाजार में निर्णायक मोड़ गुरुवार को आया, जब अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला किया। इस खबर से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और भारतीय बाजारों में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स 905 अंक उछलकर 74,151 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 237 अंक चढ़कर 22,936 के स्तर पर पहुंच गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को भी तेजी जारी रही। आईटी और फार्मा कंपनियों के शेयरों में खरीदारी ने प्रमुख सूचकांकों को मजबूती दी। सेंसेक्स 308 अंक और निफ्टी 116 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिसने लगातार दूसरे सत्र में बाजार में मजबूती बनाए रखी। यह एक ऐसा सप्ताह रहा जिसने बाजार की लचीलापन और वैश्विक संकेतों पर उसकी निर्भरता को उजागर किया।

एनएमडीसी ने 'एकता और अखंडता दौड़' का किया आयोजन



■ हैदराबाद



एनएमडीसी लिमिटेड ने भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल, जिन्हें कि 'भारत के लौह पुरुष' के नाम से जाना जाता है, उनकी 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर, 2026 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाने के लिए हैदराबाद के चाचा नेहरू पार्क में 'एकता और अखंडता के लिए दौड़' आयोजित किया। यह दौड़ 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' विषय पर आयोजित 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के दौरान आयोजित किया गया। यह पहल राष्ट्रीय एकता, अखंडता और नैतिक आचरण के मूल्यों को उजागर करता है।

इस दौड़ को श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक), एनएमडीसी लिमिटेड और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी लिमिटेड ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एनएमडीसी के कर्मचारीगण और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के युवा प्रतिभागीगण उपस्थित थे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक (कार्मिक) और मुख्य सतर्कता अधिकारी ने भारत की एकता और एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका और आधुनिक भारत के वास्तुकार के रूप में उनकी स्थायी विरासत पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रीय नेताओं और पूर्वजों के निःस्वार्थ प्रयासों को नमन किया, जिन्होंने राष्ट्र-निर्माण में योगदान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे सरदार पटेल की राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरणा लें और अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण को बनाए रखें। इस पहल के माध्यम से, एनएमडीसी ने निवारक सतर्कता, नैतिक मूल्यों और सत्यनिष्ठा की संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में की भारी बिकवाली, 22,012 करोड़ के शेयर बेचे

घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश किया

नई दिल्ली

अक्टूबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से 22,012 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे उनकी इस साल की कुल बिकवाली 2.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि, एफपीआई की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार मजबूत बने रहे, जिसका मुख्य श्रेय घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की रिकॉर्ड खरीदारी और प्राथमिक बाजार में आए दमदार आईपीओ को जाता है। आंकड़ों के अनुसार, जहां एफपीआई ने सेकेंडरी बाजार से बड़ी निकासी की, वहीं उन्होंने प्राथमिक बाजार, जिसमें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शामिल हैं, के जरिये 12,902 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह पिछले 15 महीनों में प्राथमिक बाजारों में उनका सबसे बड़ा निवेश है, जिसने सेकेंडरी बाजार में बिकवाली के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने अक्टूबर के दौरान 62,220 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे बाजार को अभूतपूर्व समर्थन मिला। इसी के परिणामस्वरूप, सेकेंडरी बाजार में लगातार बिकवाली के बावजूद बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स क्रमशः 1.9 फीसदी और 2.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। प्राथमिक बाजार में इस मजबूती का एक प्रमुख कारण अक्टूबर में आए 13 आईपीओ थे, जिनमें जियो प्लेटफॉर्म्स का 30,187.65 करोड़ रुपये का आईपीओ भी शामिल था। विश्लेषकों का मानना है कि सेकेंडरी बाजार से एफपीआई की लगातार निकासी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर । अनाज मंडी में नियत्ते भावों पर मांग से चना बढ़त पर रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती रही। तिलहन बाजार पूर्वस्तर पर रहे। किराना जिंसों में व्यापार अरछा रहा। कीमतें पूर्वस्तर पर रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में सटे भावों पर मांग आने से बाजार पुनः चमक गये। चना आज 7500-7550 रु. [रिटेल पर रहा। अन्य दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा।

किराना - शक्कर 5100-5200, खोपरा गोला 360-420, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेसर 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेसर 6000-6100, सत्या मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेसर 350-400, सौंफ वार्तिक 180-300, एवरेस्ट वोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, वर्कलीमिर्च एटम 775-785, गाखलड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनवर्तलीन 1150-1250, रतलीम 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायपत्री 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेसर 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेसर 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेसर 4400-4600, एवरे बेसर 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टूकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम तॉय 700-725

रात की खरणा : गुजरात तुरा 1770-1780, मुगबई पाम 1445, मुगबई लोया 1450, **छत्ती** : कपास छत्ती (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, छांदा-घुघनापुर 2475, अकोला 3350 (प्रति रिटल)

तेल : सीगदना 1820-1840, मुगबई 1840, राजकोट तेलिया 2840, लोया खल्वेंट 1375-1380, लोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1520, पूलिया 1510, कड़ी 1510,

दलहन: चना कांटेवाला बेसर 7500-7550, विशाल 7200-7350, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रतलिया 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेसर 6000, एवरेस्ट 5900, मूंग गर्मी बेसर 8100-8300, मूंग पुतना वोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेसर 9100-9200, एवरेस्ट 8900-9000, हल्दी 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेसर 9600-9800

सरकार के सिंगल यूज उपकरण प्रतिबंध पर अस्पतालों का कड़ा विरोध

■ नई दिल्ली

प्रमुख अस्पताल समूहों ने सरकार को सौंपा ज्ञापन, डायलिसिस समेत कई सेवाएं होंगी प्रभावित

देश के बड़े अस्पताल समूहों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी एसोसिएशनों ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें एक बार इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों के दोबारा उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उनकी चिंता है कि इस निर्णय से जटिल बीमारियों के इलाज का खर्च 25 से 75 फीसदी तक बढ़ सकता है और डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित होंगी। अस्पतालों ने कहा है कि पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे स्वास्थ्य क्षेत्र की मुश्किलें इससे और बढ़ेंगी। नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, फोर्टिस हेल्थकेयर, केआईएमएस हॉस्पिटल्स और मेदांता सहित कई बड़े अस्पताल समूहों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य एसोसिएशनों के साथ मिलकर सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इसमें उन्होंने मांग की है कि एक बार इस्तेमाल होने वाले सभी मेडिकल उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय, कुछ



चुनिंदा उपकरणों को तय सुरक्षा मानकों के तहत दोबारा इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने 16 अक्टूबर को एक निर्देश जारी कर उन चिकित्सा उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिन्हें निर्माता कंपनियों ने केवल एक बार इस्तेमाल के लिए बनाया है। यह प्रतिबंध सरकारी और निजी दोनों तरह के अस्पतालों पर लागू किया गया है। सरकार ने इस फैसले का प्रमुख कारण मरीजों की सुरक्षा को बताया था, यह तर्क देते हुए कि ऐसे उपकरणों का दोबारा इस्तेमाल करने से संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी दूसरी समस्याओं का खतरा हो सकता है। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (भारत) ने पुष्टि की है कि अस्पताल उद्योग की ओर से सरकार को इस संबंध में विस्तृत सुझाव भेजे गए हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि किसी भी तरह का प्रतिबंध लगाने से पहले मरीजों की सुरक्षा, उपकरणों की उपलब्धता और इलाज के खर्च जैसे पहलुओं का व्यापक आकलन होना चाहिए। उन्होंने मरीजों की सुरक्षा और इलाज के खर्च के बीच संतुलन बनाने के लिए एक ऐसे चिकित्सकीय जोखिम आकलन ढांचे की मांग की है, जो अंतरराष्ट्रीय अनुभवों पर आधारित हो। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आदेश को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से लागू करने की अपील की। इस फैसले को लेकर सबसे बड़ी चिंता डायलिसिस सेवाओं को लेकर है, जहां 60 फीसदी से अधिक सत्रों में डायलाइजर का एक से ज्यादा बार इस्तेमाल होता है। यह प्रतिबंध देश के करीब 5 लाख मरीजों के लिए हर साल होने वाले लगभग 4 करोड़ डायलिसिस सत्रों पर सीधा असर डालेगा।

फैशन आपके साथ रहता है



अभिनेता अमल सहरावत ने अपने सफर, जेजे वलाया की डिजाइन की हुई पोशाक पहनने के अनुभव और समय के साथ फैशन जगत में आए बदलावों के बारे में बात की।अमल कहते हैं, 'मॉडलिंग हमेशा मेरे सफर का एक बेहद खास हिस्सा रहेगी, क्योंकि यहीं से मेरी शुरुआत हुई थी। इतने सालों बाद जेजे वलाया जैसे डिजाइनर के लिए रैंप वॉक करना कई पुरानी यादें ताजा करने वाला अनुभव था। इसने मुझे एहसास कराया कि व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से मैं कितना आगे बढ़ चुका हूं। उनके डिजाइनों में एक खास भव्यता और सदाबहार खूबसूरती है। उनकी डिजाइन की हुई पोशाक पहनना एक शानदार अनुभव था। इसने मुझे यह भी याद दिलाया कि फैशन हमेशा आपके साथ रहता है, चाहे आपका करियर किसी भी दिशा में आगे बढ़े। '

प्यार छोटी-छोटी बातों में नजर आता है



करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के प्यार और रिश्ते को समर्पित है। इस खास मौके पर फैशन डिजाइनर अंजलि फौगत ने एक मजबूत और खुशहाल रिश्ते को लेकर अपने विचार साझा किए। उनका मानना है कि किसी भी रिश्ते को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए बड़े-बड़े वादों या रोमांटिक अंदाज से ज्यादा जरूरी है कि दो लोग रोजमर्रा की जिंदगी में एक-दूसरे का साथ दें, एक-दूसरे को समझें और भरोसा बनाए रखें।अंजलि कहती हैं, 'मेरे लिए एक अच्छा पार्टनर वह है, जो भावनात्मक रूप से आपके साथ रहे, आपकी इज्जत करे और जरूरत के समय आपका साथ दे। रिश्ते में ऐसा माहौल होना चाहिए, जहां दोनों को लगे कि उनकी बात सुनी जाती है, उनकी अहमियत है और उन्हें आगे बढ़ने की आजादी है। 'अंजलि का मानना है कि एक अच्छे रिश्ते में दोनों लोगों को अपनी पहचान बनाए रखने के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। वह कहती हैं, 'एक अच्छा रिश्ता आपसी सम्मान से बनता है, न कि एक-दूसरे पर अधिकार जताने से।

खूबसूरती का मतलब सिर्फ परफेक्शन नहीं



सेलेब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट और लग्जरी सैलून व स्पा चेन के मालिक फ्लोरियन ह्यूरेल का मानना है कि समय के साथ खूबसूरती को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। करियर की शुरुआत में वह बालों को परफेक्ट लुक देना सबसे जरूरी मानते थे, लेकिन आज उनके लिए खूबसूरती का मतलब कुछ और है। अब वह इस बात पर ज्यादा ध्यान देते हैं कि किसी इंसान पर क्या अच्छा लगता है और वह अपने लुक में कितना सहज महसूस करता है।ए फ्लोरियन कहते हैं, 'जब मैंने अपना करियर शुरू किया था, तब मुझे लगता था कि खूबसूरत बालों का मतलब है एकदम परफेक्ट फिनिश, सही शेप, सही कलर और अच्छी फिनिशिंग। वह कहते हैं, 'आज मुझे लगता है कि खूबसूरती का संबंध इस बात से ज्यादा है कि कोई हेयरस्टाइल उस इंसान पर कितना अच्छा लगता है, उसकी अपनी पहचान को कितना दिखाता है और वह उसे अपनाकर कैसा महसूस करता है। जरूरी नहीं कि जो हेयरस्टाइल तकनीकी रूप से परफेक्ट हो, वह हर किसी पर अच्छा भी लगे। '

आपसी रिश्तों को मजबूत करेगा 'संस्कार



बड़े पर्दे पर कई यादगार फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, दिग्गज फिल्ममेकर के.सी. बोकाडिया अब अपने पारिवारिक धारावाहिक 'संस्कार' के माध्यम से टेलीविजन दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। धारावाहिक को मिल रहे प्यार और सराहना के बीच उन्होंने मुंबई में मीडिया के साथ केक काटकर इसकी सफलता का जश्न मनाया और अपनी खुशी साझा की। 'संस्कार' का प्रसारण डीडी नेशनल पर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे होता है। पारिवारिक रिश्तों, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित यह धारावाहिक दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। बीएमबी प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रस्तुत 'संस्कार' एक मल्टी-स्टार पारिवारिक ड्रामा है। इस अवसर पर के.सी. बोकाडिया ने कहा, 'लोग आज भी पुरानी फ़िल्में, गाने अधिक पसन्द करते हैं क्योंकि उनमें भारतीय माहौल, संस्कृति और संस्कार की झांकी मिलती है। धारावाहिक 'संस्कार' दर्शकों को उसी संस्कार की याद दिलाता है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अंतिम टी20 आज

जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

हैमिल्टन

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का अंतिम मैच रविवार को सेडन पार्क में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने ये सीरीज पहले से ही जीत ली है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। भारतीय टीम इस मैच में जीत के साथ सीरीज का समापन करना चाहेगी। भारतीय टीम ने पहले तीन मैच जीते थे जबकि मेजबान टीम का मनोबल भी बढ़ा है जिससे वह अंतिम मैच जीतकर अपनी लय और बेहतर करना चाहेगी। उसे परेशू हालतों का भी लाभ मिलेगा।

हैमिल्टन के सेडन पार्क स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। यहां की सपाट और पाटा पिच पर गेंद बल्ले पर आसानी से आती है, जिससे खूब चौके-छक्के देखने को मिलते हैं। स्टेडियम की छोटी बाउंड्री भी बल्लेबाजों के छक्के लगाने के काम को और आसान बना देती है। हालांकि, मैच की टाइमिंग को देखते हुए दूसरी पारी में गेंदबाजी करना गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि ओस का प्रभाव काफी अधिक रहने की संभावना है। ओस के कारण गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जिससे स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर सकती है ताकि ओस के प्रभाव से बचा जा सके और बाद में बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य का पीछा करना आसान हो। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस सीरीज के अधिकांश मैचों में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ही विकल्प चुना है, जो उनकी रणनीति का हिस्सा रहा है। कुल मिलाकर, यह अंतिम टी20 मुकाबला केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि दोनों टीमों के लिए अपने सम्मान और प्रतिष्ठा को बचाने का मौका होगा। एक तरफ भारत जहां अपनी पिछली हार का बदला और सीरीज में 4-1 की बढ़त चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड अपने घर में जीत के साथ सीरीज का समापन करने की पूरी कोशिश करेगा। प्रशंसकों को एक हाई-स्कोरिंग और रोमांचक मैच की उम्मीद है।



दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम- सैमसन (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, नमन धीर, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव, मुकेश कुमार, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, वरुण चक्रवर्ती, अक्षिका नवी डार, कुलदीप यादव और रमनदीप सुर्वेदी

न्यूजीलैंड टीम- टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, इश मिल्ने, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर, रचइन रैनीवान, ईजैश वॉलिंगे, जोश क्लार्कसन और कोपे रिंचन।

चौथे टी20 मैच में महिला प्रशंसक के गेंद चूमने का वीडियो हो रहा वायरल

ऑकलैंड । यहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए चौथे टी20 मैच का न एक अनोखा पल कैमरे में कैद हो गया, जिसने पूरे मैच की हार-जीत से ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। यह घटना तब सामने आई जब भारतीय युवा बल्लेबाज नितीश रेड्डी ने एक शानदार छक्का लगाया। जिससे गेंद सीधे स्टैंड्स में जा गिरी, जहां एक महिला प्रशंसक ने उसे बड़ी उत्सुकता से पकड़ा। गेंद को अपने हाथों में उसे अपने होठों से चूमा और फिर एक मुस्कान के साथ मैदान पर वापस लौटा दिया। क्रिकेट के प्रति इस असाधारण प्रेम और निडरता उस अविस्मरणीय छक्के पर मिली इस प्रतिक्रिया को सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब सराहा। यह वीडियो कुछ ही समय में तेजी से वायरल हो गया और लाखों-करोड़ों प्रशंसकों तक पहुंचा। स्टेडियम में मैच देखने आने वाले प्रशंसकों में अक्सर कैमरे की नजर में आने का एक अलग ही उत्साह होता है। कई बार वे ऐसे हरकतें करते हैं, जिससे सबका ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो। आज के सोशल मीडिया दौर में, कैमरामैन भी ऐसे वायरल कंटेंट की तलाश में रहते हैं, क्योंकि किसी भी घटना को वायरल होने में देर नहीं लगती। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि खेल के मैदान पर ऐसे अप्रत्याशित क्षण ही प्रशंसकों के लिए सबसे खास बन जाते हैं।

अभिषेक और वैभव को एकदिवसीय टीम में शामिल किया जाए : युवराज

मुंबई



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटरों को तत्काल टीम में शामिल किया जाणे। युवराज के अनुसार यदि अभी इन दोनों को अवसर नहीं मिला तो इनका मनोबल भी गिरेगा। इसके साथ ही ये इनकी प्रतिभा के साथ अन्याय होगा। युवराज के अनुसार अभिषेक ने अपनी शानदार फॉर्म से स्वयं को दुनिया के सबसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज के तौर पर पेश किया है। युवराज अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और प्रभसिमरन सिंह जैसे क्रिकेटरों के मार्गदर्शक (मेंटर) भी रहे हैं, ने इन युवाओं की क्षमता पर अपना गहरा विश्वास व्यक्त किया है। युवराज ने एक कार्यक्रम में कहा कि अभिषेक के प्रदर्शन को देखते हुए उसे एकदिवसीय टीम में जगह देनी चाहिये। साथ ही कहा कि अगर हम अभिषेक, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50-ओवर क्रिकेट में नहीं लाएंगे, तो हम कहीं न कहीं अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर रहे होंगे। युवराज के अनुसार, ये तीनों ही बल्लेबाज वर्तमान में टी20 क्रिकेट में टॉप ऑर्डर का जिम्मा सफलतापूर्वक संभाल रहे हैं और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी ने क्रिकेट प्रेमियों और विशेषज्ञों दोनों का ध्यान खींचा है।

कई खेल विशेषज्ञों का मानना है कि 2027 एकदिवसीय विश्वकप के बाद भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों, रोहित शर्मा और विराट कोहली के संभावित संन्यास से टॉप ऑर्डर में दो महत्वपूर्ण जगहें खाली हो सकती हैं। ऐसे में युवराज का यह बयान और भी प्रासंगिक हो जाता है, क्योंकि ये भविष्य के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने की बात कर रहे हैं। हालांकि, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी को अभी तक लिस्ट ए और एकदिवसीय क्रिकेट का बहुत अधिक अनुभव नहीं है; विशेष रूप से वैभव ने तो केवल 13 लिस्ट-ए मैच ही खेले हैं। इसके बावजूद, युवराज को भरोसा है कि टीम प्रबंधन को इन युवा खिलाड़ियों को भविष्य के लिए एकदिवसीय टीम के लिए अभी से तैयार करना शुरू कर देना चाहिए जिससे वे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहें और भारतीय क्रिकेट को एक मजबूत उत्तराधिकार मिल सके।

युवराज ने हालांकि माना है कि वर्तमान में 50-ओवर फॉर्मेट में अभिषेक, वैभव और ईशान किशन के लिए स्थायी जगह बनाना शायद मुश्किल होगा, क्योंकि टीम में पहले से ही कई अनुभवी और स्थापित खिलाड़ी मौजूद हैं। लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन खिलाड़ियों की मौजूदा अविश्वसनीय फॉर्म को देखते हुए उन्हें जल्द ही राष्ट्रीय एकदिवसीय दल में जगह मिलनी चाहिए, भले ही उन्हें तुरंत अंतिम एकादश में खेलने का मौका न मिले।

हुनर और धैर्य से कमाया ज़िंदगी का खूबसूरत मोड़



किसी कलाकार को पर्दे पर देखकर हम अक्सर उसकी लोकप्रियता और उसके संवादों की तारीफ करते हैं। लेकिन उस पहचान तक पहुँचने का सफर पर्दे के पीछे कितना लंबा और पथरीला होता है, इसे दुनिया सफलता मिलने के बाद ही देख पाती है। वेब सीरीज 'पंचायत' में 'बिनोद' के किरदार से देश भर के दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाने वाले अभिनेता अशोक पाठक की कहानी इसी धैर्य और अटूट विश्वास की एक मिसाल है।

बिहार के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले अशोक पाठक का शुरुआती जीवन हरियाणा के फरीदाबाद में बीता। उनके जीवन का एक दौर ऐसा भी था जब वह परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए साइकिल पर प्रतिदिन लगभग 20 किलोमीटर घूमकर रुई (कपास) बेचा करते थे। दिनभर की इस कड़ी मेहनत के बाद बमुश्किल सौ रुपये की कमाई हो पाती थी। इस कठिन समय में भी उनके भीतर एक सपना सांस ले रहा था। कॉलेज के दिनों में जब उनका परिचय रंगमंच (थिएटर) से हुआ, तो अभिनय के प्रति उनका रुझान एक जुनून में बदल गया। एक युवा थिएटर समारोह में मिले 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' के पुरस्कार ने उनके इस विश्वास को पक्का कर दिया कि उनका भविष्य इसी कला में है।

अपनी जमा-पूंजी के रूप में मात्र 40,000 रुपये लेकर वह सपनों के शहर मुंबई पहुँचे। लेकिन किसी नए शहर में बिना किसी 'गॉडफादर' या फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी जगह बनाना आसान नहीं होता। मुंबई में उन्हें लंबे समय तक छोटे-छोटे किरदारों, विज्ञापनों और अंतहीन ऑडिशन्स के दौर से गुजरना पड़ा। कई बार भूमिकाएं तय होने के बाद भी स्थितियां पक्ष में नहीं रहीं, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। वह लगातार सीखते रहे और हर छोटे अवसर को भी पूरी शिद्दत से जीते रहे।

'पंचायत' सीरीज का 'बिनोद' उनके इसी धैर्य का प्रतिफल साबित हुआ। शुरुआत में यह किरदार बेहद सीमित दृश्यों का था, लेकिन अशोक पाठक ने अपनी कड़क संवाद अदायगी, स्वाभाविक लहजे और आंखों के अभिनय से उसे एक यादगार कल्ट चरित्र बना दिया। 'देख रहा है बिनोद' जैसे संवाद ने उन्हें नई पहचान दी। अशोक पाठक का एक कथन आज के युवाओं के लिए बेहद प्रेरणादायक है 'ज़िन्दगी खूबसूरत मोड़ तब नहीं लेती है जब आप चाहते हैं, ज़िंदगी खूबसूरत मोड़ तब लेती है जब आप उसे कमाते हैं। आज वह अपने इसी कड़े संघर्ष और असाधारण अभिनय के दम पर 'कान्स फिल्म फेस्टिवल' के वैश्विक मंच तक पहुंच चुके हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात कर चुके हैं।

अंकिता 'साहिबा'
ट्रिंग, हर्टफ़ोर्डशर, इंग्लैंड, यूके

भारतीय टेलीविजन पर करवाचौथ



करवाचौथ का त्योहार भारतीय संस्कृति में प्रेम, आस्था, समर्पण और साथ निभाने के भाव का प्रतीक माना जाता है। भारतीय टेलीविजन ने इस त्योहार की परंपराओं और भावनाओं को पर्दे पर जीवंत करने में अहम भूमिका निभाई है।

निहारिका चौकसे:

'मेरा मानना है कि टेलीविजन धारावाहिक हमारी भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। करवाचौथ जैसे त्योहार केवल रस्में निभाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रिश्ते में प्यार, आस्था और समर्पण जताने का भी एक तरीका हैं।

ऐश्वर्या राज भाकुनी:

'भारतीय टेलीविजन पर करवाचौथ के दृश्यों की अपनी एक खास खूबसूरती होती है, क्योंकि इनमें परंपरा, रोमांस और भावनाएं एक साथ देखने को मिलती हैं। मुझे लगता है कि हमारे धारावाहिक केवल त्योहारों को नहीं दिखाते, बल्कि उनसे जुड़ी भावनाओं और मूल्यों को भी सामने लाते हैं। ऐसे मौकों पर पति-पत्नी का एक-दूसरे का साथ देना, एक-दूसरे का इंतजार करना और अपने प्यार का इजहार करना कहानी को और भी खास बना देता है। ये

अद्रिजा रॉय:

'मेरा मानना है कि इन परंपराओं को आधुनिक और संतुलित नजरिए के साथ दिखाना जरूरी है, जहां प्यार और समर्पण दोनों तरफ से हो और दोनों साथियों को बराबर सम्मान मिले। टेलीविजन में यह ताकत है कि वह हमारी सांस्कृतिक जड़ों को सहेजते हुए यह भी दिखा सकता है कि समय के साथ रिश्ते किस तरह बदल रहे हैं।

आराधना आर शर्मा

'करवाचौथ जैसे त्योहार केवल रस्मों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये पति-पत्नी के बीच प्यार, आस्था, समर्पण और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाते हैं। जब ऐसे पलों को पर्दे पर दिखाया जाता है, तो दर्शक उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं, क्योंकि वे इन दृश्यों में अपनी जिंदगी और अपने रिश्तों की झलक देखते हैं।'

शिवानी चक्रवर्ती

'टेलीविजन हमेशा से हमारी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जीवित रखने में अहम भूमिका निभाता आया है। लोग टेलीविजन और अपने पसंदीदा किरदारों से भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। इसलिए जब वे अपने पसंदीदा कलाकारों को त्योहार मनाते हुए देखते हैं, तो उन्हें भी उनके साथ जश्न मनाने जैसा महसूस होता है।

असली पहचान प्रतिभा से बनती है

अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता सोमी अली ने 1990 के दशक में बॉलीवुड में महिला कलाकारों पर रहने वाले दबावों को लेकर अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि उस दौर में महिलाओं को अक्सर उनकी उम्र, खूबसूरती और निजी फैसलों के आधार पर आंका जाता था। महिलाओं की उम्र और उनके बाहरी रूप को लेकर बनी सोच पर बात करते हुए सोमी कहती हैं कि किसी महिला की काबिलियत को इन बातों के आधार पर नहीं परखना चाहिए। वह कहती हैं, 'मैंने यह समझा है कि हमारी अहमियत हमारे चेहरे, शरीर या हमारी उम्र से तय नहीं हो सकती। खूबसूरत दिखना किसी महिला की जिम्मेदारी नहीं है और उम्र बढ़ने के लिए उसे माफी मांगने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।



कंवर ढिल्लों के 5 किरदार

कंवर ढिल्लों ने अपनी शानदार एक्टिंग और अलग-अलग किरदारों के जरिए टीवी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। अपने करियर में उन्होंने कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिला। कभी गंभीर तो कभी चुलबुले अंदाज में नजर आने वाले कंवर ने अपनी एक्टिंग से हर बार दर्शकों को प्रभावित किया है।



1. अद्दू उर्फ मुन्ना - 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा'

कंवर ढिल्लों को सीरियल 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा 2' में अद्दू उर्फ मुन्ना के किरदार से पहचान मिली। यह उनके करियर का एक अहम पड़ाव था। इस किरदार के जरिए उन्हें रिश्तों की उलझनों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को पर्दे पर दिखाने का मौका मिला।

2. बंटी मिश्रा - 'हम हैं ना'

सीरियल 'हम हैं ना' में कंवर ढिल्लों ने बंटी मिश्रा का किरदार निभाया था। उनका यह किरदार काफी दिलचस्प और युवा सोच वाला था। इस शो ने उन्हें मुख्य भूमिका में अपनी पहचान बनाने का मौका दिया।

3. अर्जुन - 'पिया रंगरेज'

'पिया रंगरेज' कंवर ढिल्लों के करियर का एक और अहम शो रहा। इस सीरियल के जरिए उन्हें एक अलग तरह की कहानी और झमा का हिस्सा बनने का मौका मिला।

4. शिवा पांड्या - 'पांड्या स्टोर'

'पांड्या स्टोर' में शिवा पांड्या का किरदार कंवर ढिल्लों के सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक है। 850 एपिसोड तक चले इस शो में उन्होंने एक ऐसे इंसान की भूमिका निभाई, जो गुस्सैल होने के साथ-साथ भावुक भी है और अपने परिवार से बेहद प्यार करता है।

5. सचिन देशमुख - 'उड़ने की आशा'

इन दिनों कंवर ढिल्लों सीरियल 'उड़ने की आशा' में सचिन देशमुख के किरदार से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। यह शो 1000 एपिसोड पूरे करने की ओर बढ़ रहा है।

फटाफट खबरें

सोमनाथ मंदिर के पास बिक सकेगा नॉनवेज

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास मांसाहारी भोजन की बिक्री पर राज्य सरकार की ओर से लगाई गई रोक को हटाने का फैसला सुनाया है। शुक्रवार को अदालत ने सरकार के आदेश पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी। फैसले के बाद संबंधित आदेश का प्रभाव समाप्त होने पर इलाके में मांसाहारी भोजन की बिक्री दोबारा शुरू हो सकेगी। दरअसल, राज्य सरकार ने सोमनाथ मंदिर के 500 मीटर के दायरे और वहां पहुंचने वाली तय सड़कों पर मांसाहारी भोजन की बिक्री, भंडारण, वितरण और पकाने पर प्रतिबंध लगाया था। इस फैसले से प्रभावित छह रेस्तरां संचालकों ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर कर प्रतिबंध को चुनौती दी थी। याचिका दायर करने वाले रेस्तरां में ज़ेएम, ख्वाजा हिंदुस्तान, न्यू गुलाब, किस्मत और ताज सहित अन्य प्रतिष्ठान शामिल हैं।

टेक्सास के सीनेट चुनाव में 'डोरा पॉलिटिक्स'

इस्लिंग्टन, ।। टेक्सास के सीनेट चुनाव में चुनावी रैलियों और तीखे भाषणों के बीच अमेरिकी सीनेट के डेमोक्रेट उम्मीदवार जेस्स टालरिको ने अपनी राजनीतिक चालों से ज्यादा अपने कुकिंग स्किल्स और देसी अंदाज से सोशल मीडिया पर हड़कंप मचा दिया है। टेक्सास के इस्लिंग शहर के एक रेस्टोरेंट में टालरिको ने तवे पर एकदम परफेक्ट और करारा मसाला डोसा बनाकर हर किसी को हैरान कर दिया। यह असल में भारतीयों का दिल जीतने की 'डोसा पॉलिटिक्स' है। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब टेक्सास में दक्षिण एशियाई और भारतीय मूल के मतदाताओं का झुकाव डेमोक्रेट्स की तरफ तेजी से बढ़ रहा है।

अर्नब का असरः यूपी-बिहार में सर्दी बढ़ेगी, कहीं होगी बारिश

नई दिल्ली । चक्रवात अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया हो लेकिन उसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। यूपी बिहार सर्दी बढ़ने का अनुमान है और कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। मौसम विभाग ने रविवार-सोमवार को कई राज्यों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का पूर्वानुमान लगाया है। कुछ राज्यों में भारी बारिश की भी आशंका है। उत्तराखंड प्रदेश में कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं आंध्र प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है। केरल में भी कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: बिजली चमकने के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

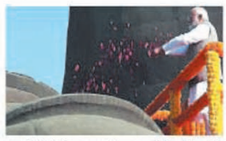
रूस-चीन मिलकर महायुद्ध का ब्लूप्रिंट कर रहे तैयार

वाशिंगटन, ।। रूस के वोल्गोग्राड शहर के पास बने एक सीक्रेट मिलिट्री ठिकाने से ऐसी खबर लीक हो गई जिसने अमेरिका से लेकर पूरे पश्चिमी देशों में हड़कंप मचा दिया। अभी तक दुनिया को यह लग रहा था कि यूक्रेन युद्ध के बीच चीन रूस को ड्रोन इंजन और पुर्जे बेचकर सुलाफा कमा रहा है, लेकिन अब परदे के पीछे असल गेम सामने आया है। खुफिया रिपोर्टों और जानकारों के मुताबिक रूस और चीन मिलकर अगले महायुद्ध का ब्लूप्रिंट तैयार कर रहे हैं और इस ब्लूप्रिंट में सामने आया है कि दोनों देश कैसे तीन वार में अमेरिका को चारों खाने चित करने वाले हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर जहां देश ने नम आंखों से उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की वहीं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर समूचे राष्ट्र ने उन्हें नमन किया और उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर पीएम मोदी ने कहा...

सरदार वल्लभभाई पटेल देश के लिए प्रेरणास्रोत



● नई दिल्ली,

देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह अवसर देश के पहले गृह मंत्री 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती का था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके ऐतिहासिक योगदान को नमन किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि सरदार पटेल ने अपना पूरा जीवन एक मजबूत, समृद्ध और सक्षम भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया था। मातृभूमि की सेवा में उनका त्याग और समर्पण निकसित तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमेशा एक गहरी प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

राजधानी नई दिल्ली में भी कई प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली के सरदार पटेल चौक पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस दौरान उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि उनका असाधारण जीवन और उनकी विरासत राष्ट्रीय एकता की ताकत, अटूट संकल्प और निस्वार्थ सेवा का एक स्थायी प्रमाण है।उनकी दूरदर्शिता आज भी देश की एकता और प्रगति की यात्रा का मार्गदर्शन करती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जब से देश में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने की शुरुआत हुई है, यह दिन राष्ट्र की अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ऐसी महान विभूति थे जिन्होंने न केवल देश का इतिहास बदला, बल्कि अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और राजनीतिक कौशल से सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर आधुनिक अखंड भारत का नक्शा तैयार किया। उन्होंने भारत का भौगोलिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक एकीकरण कर देश को एक मजबूत राष्ट्र बनाया। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को हुआ था। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी और कुशल वकील थे। आजादी के ठीक बाद देश के सामने सैकड़ों रियासतों को एकजुट करने की बड़ी चुनौती थी, जिसे पटेल ने अपनी अद्भुत कूटनीति से सफलतापूर्वक पूरा किया। देश की एकता और अखंडता में उनके इसी अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें 'लौह पुरुष' और 'अखंड भारत का शिल्पकार' कहा जाता है।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर शक्ति स्थल पहुंच नेताओं ने दी श्रद्धांजलि...

प्रियंका ने साझा की तस्वीर पूरा देश कर रहा उन्हें याद

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार सुबह इंदिरा गांधी मेमोरियल में आयोजित स्मरणोत्सव के दौरान सभी नेताओं ने शक्ति स्थल पर पहुंचकर दिवंगत प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया।



● नई दिल्ली,

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इंदिरा गांधी को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की। उन्होंने अपनी दादी की तारीफ करते हुए लिखा कि वे एक बेहद सुंदर महिला थीं, जो आसमान की तरह आजाद, समुद्र की तरह गहरी, धरती की तरह सहनशील और आग से भी अधिक तेजस्वी व्यक्तित्व की धनी थीं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मौके पर इंदिरा गांधी के एक प्रेरक भाषण का अंश साझा किया। उस भाषण में इंदिरा गांधी ने कहा था कि जब तक उनके शरीर में सांस है, वे सेवा करती रहेंगी और उनके खून का एक-एक कतरा भारत को जीवित रखने के लिए समर्पित है। खड़गे ने अपने संदेश में इंदिरा गांधी को अदम्य साहस, अटूट संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व की प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री का राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए किया गया समर्पण तथा आधुनिक भारत के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा देश की राष्ट्रीय चेतना में जीवंत रहेगा। उनका बलिदान और असीमित साहस देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा का बड़ा स्रोत बना रहेगा।

सरदार पटेल आधुनिक भारत की एकता और अखंडता के महान शिल्पकार

खड़गे, राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने की श्रद्धांजलि अर्पित

नई दिल्ली । सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें याद करते हुए कहा कि जब जनता एकजुट हो जाती है, तो उसके सामने क्रूर से क्रूर शासन भी नहीं टिक सकता। उन्होंने पटेल के इस प्रेरक कथन को साझा करते हुए उन्हें आधुनिक भारत की एकता और अखंडता का महान शिल्पकार बताया। खड़गे ने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दूरदर्शी नेतृत्व और देश के प्रति अटूट समर्पण को हमारी अमूल्य विरासत बताया, जिसके आदर्श हमेशा देश को एकता, लोकतंत्र और राष्ट्रसेवा के रास्ते पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे।

खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार और हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर नौवें पुरुष को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने सरदार पटेल को भारत के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष के रूप में सादर नमन किया। उन्होंने उन्हें एकता का सूत्रधार और आधुनिक भारत का शिल्पकार बताते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता, अखंडता और भाईचारे की मजबूत नींव रखी। राहुल गांधी ने जोर दिया कि उनके आदर्श सदैव हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने भी सरदार पटेल के एकीकृत राष्ट्र के निर्माण में उनके असाधारण योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में पटेल का नेतृत्व, रियासतों के एकीकरण में उनकी अहम भूमिका और भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के उनके प्रयासों ने आजादी के शुरुआती वर्षों को आकार दिया। शिवकुमार ने पटेल की जयंती पर उनकी विरासत को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरदार पटेल को एक महान स्वतंत्रता सेनानी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और देश के पहले गृह मंत्री के रूप में याद किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश की आजादी से लेकर रियासतों के एकीकरण तक राष्ट्र के प्रति पटेल का समर्पण और दृढ़ नेतृत्व हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराया 27 भारतीयों वाला जहाज...

भीषण आग के बाद सभी सुरक्षित निकाले गए

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री जहाजों के लिए एक खतरनाक क्षेत्र बनता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में यहाँ बारूदी सुरंगों और हमलों के कारण कई जहाज दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं।



ताजा घटनाक्रम में, 27 भारतीय क्रू मेंबरों से लैस एक तेल टैंकर 'एमटी लूज 1' के इंजन रूम में भीषण आग लग गई, जिसके बाद यह टैंकर चलने योग्य नहीं बचा। गनीमत यह रही कि इस गंभीर हादसे में किसी भी भारतीय नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा और सभी 27 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इससे पहले 29 अक्टूबर को लिबेरिया के झंडे वाले एक अन्य जहाज पर भी हमला हुआ था, जिसमें दो भारतीय क्रू मेंबर सवार थे। इस तरह दोनों घटनाओं में शामिल कुल 29 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया है। सरकार शिप मैनेजमेंट कंपनियों के साथ मिलकर लगातार इस संवेदनशील स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। ब्रिटेन की समुद्री एजेंसी यूकेएमटीओ को भी खासाब (ओमान) के पास एक जलते हुए जहाज की सूचना मिली थी।

'अर्नब' तूफान से आंध्र प्रदेश और ओडिशा टेलीकॉम सेवाएं ठप

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर चक्रवात 'अर्नब' के टकराने के बाद सरकार प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी संचार सेवाओं को चालू रखने के लिए नेटवर्क को बहाल करने का काम कर रही है और टेलीकॉम नेटवर्क की स्थिति पर नजर रख हुए है। भारी बारिश, अचानक आई बाढ़, पेड़ों के गिरने और बिजली के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने के कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा और आसपास के इलाकों में टेलीकॉम सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूरसंचार विभाग, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ मिलकर नेटवर्क को बहाल करने का काम कर रहा है। संचार मंत्रालय के मुताबिक आंध्र प्रदेश और ओडिशा में नेटवर्क कनेक्टिविटी को बहाल करने में काफी प्रगति हुई है। इसमें मुख्य रूप से बिजली आपूर्ति की समस्याओं को दूर करने और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी को फिर से चालू करने पर ध्यान दिया जा रहा है।



स्पेन में ला रेस्टिंगा बंदरगाह पर कोस्ट गार्ड की नौका से उतरने का इंतजार करते हुए विस्थापित।

एक बार सबको जेल जाना चाहिएः वांगचुक

पीस बॉन्ड के विवाद के बीच तेयार किया पुराना वीडियो

नई दिल्ली। । पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपना एक पुराना वीडियो शेयर करते हुए बड़ा बयान दिया है और कहा है कि लोगों की भलाई के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक बार जेल जरूर जाना चाहिए। यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने और सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन करने के बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेताओं को हिरासत में ले लिया गया था। सोजेपी के सौरव दास, आशुतोष रांका और अभिजीत दीपके जैसे नेताओं को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और पीस बॉन्ड पर हस्ताक्षर करवाने के बाद छोड़ा गया है।

अमेरिका-ईरान जंग से महंगाई आसमान पर, महंगाई दर 107 फीसदी के पार

अगर यह दौर जारी रहा तो मार्च 2027 तक लाखों नौकरियां हो सकती हैं खत्म

तेहरान । ईरान जंग से महंगाई आसमान छू रही है। ईरान में खाने की एक प्लेट के लिए इतनी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है कि सुनने वाले की भूख ही खत्म हो जाए। ईरान के किसी सामान्य रेस्तरां में एक प्लेट साधारण खाना, जैसे चेलो कबाब, चावल और एक कोल्ड ड्रिंक ऑर्डर करें, तो आम लोगों को जेब से सौ-हजार नहीं, बल्कि लाखों 'तोमान' चुकाने पड़ सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक महंगाई दर रिकॉर्ड तोड़ 88.7फीसदी तक पहुंच चुकी है। दूध, पनीर, अंडे और कुकिंग ऑयल जैसी बुनियादी चीजों के दाम आसमान छूरहे हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि लोग अब एक वक्त के पेट भरने के लिए भी तरस रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ताजा आंकड़ों ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है. अक्टूबर महीने में ईरान में औसतन सालाना महंगाई दर भी बढ़कर 76.8फीसदी दर्ज की गई है, लेकिन सबसे डरावनी स्थिति शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में है, जहां महंगाई दर 107फीसदी के पार चली गई है यानी गांवों में रहने वाले गरीब परिवारों के लिए जीवन जीना एक रोज का संघर्ष बन चुका है। रसोई के सबसे जरूरी सामानों के दाम जिस तेजी से बढ़े हैं, उससे आम आदमी की कमर तोड़कर रख दी है।

कांग्रेस की रैली का विरोध कर रहे व्यापारियों ने की राहुल से अपील

नई दिल्ली। । दिवाली के ठीक पहले दिल्ली के व्यापारियों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब आगामी 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की एक बड़ी रैली का ऐलान हुआ। व्यापारियों और उद्योगियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राहुल गांधी से इस रैली को स्थगित करने की पुरजोर अपील की है। सीटीआई ने अपने संदेश में कहा कि राहुल गांधी अक्सर 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' चलाने की बात करते हैं, लेकिन व्यापारियों की अपनी दुकानें भी मशहूर कूल्फी जैसी सैकड़ों पुरानी और प्रसिद्ध दुकानें असल में जनता के लिए मोहब्बत की ही दुकानें हैं, जिन पर हर दुकान के माध्यम से दर्जनों परिवारों का गुजारा होता है।



व्यापारी संगठनों ने रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 20 बड़े थोक बाजारों में विरोध स्वरूप पोस्टर लगाने का ऐलान किया है। संगठन का तर्क है कि धनतेरस से ठीक चार दिन पहले होने वाली इस रैली में भारी भीड़ और हजारों गाड़ियों के आने से पूरी दिल्ली में भयंकर जाम की स्थिति पैदा हो जाएगी। इससे रामलीला मैदान के आसपास के इन प्रमुख बाजारों में ताले लटकने की नौबत आ जाएगी। व्यापारियों ने चिंता जताई है कि यदि इस व्यस्त त्योहारी सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई और बाजार बंद हुए, तो इससे लगभग 20 लाख व्यापारियों का हजारों करोड़ रुपये का दिवाली व्यापार पूरी तरह ठप हो जाएगा और लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा। इसी को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने आग्रह किया है कि राजनीतिक कार्यक्रमों की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। संगठन का चुनाव किया जाए जिससे आम नागरिकों और त्योहारों पर निर्भर छोटे-बड़े व्यापारियों के कारोबार को नुकसान न पहुंचे।

मक्का समझौते में नए देशों के शामिल होने का रास्ता साफ

पाकिस्तानी सेना बोली- किसी पर कोई रोक नहीं

इस्लामाबाद । पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए ऐतिहासिक 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' को लेकर पाकिस्तानी सेना ने एक बड़ा बयान दिया है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने साफ किया है कि इस त्रिपक्षीय सैन्य गठबंधन में नए सदस्यों को शामिल करने पर कोई कानूनी या नीतिगत रोक नहीं है। सामूहिक सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति की सोच रखने वाले अन्य देशों का भी इसमें स्वागत है।

एक इंटरव्यू में जब यह सवाल किया गया कि क्या बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरान भी इस रक्षा समझौते का हिस्सा बन सकता है, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई देश क्षेत्रीय शांति और सामूहिक निवारण के विजन को साझा करता है, तो उसके जुड़ने में कोई रुकावट नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समझौते में नए देशों को शामिल करने या न करने का अंतिम फैसला तीनों संस्थापक देशों का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ही करेगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के शीर्ष नेतृत्व ने 7 अगस्त 2026 को सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में इस ऐतिहासिक सामूहिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के अनुच्छेद 2 के तहत यह प्रावधान किया गया है कि तीनों सदस्य देशों में से यदि किसी एक पर भी कोई बाहरी सैन्य हमला होता है, तो उसे तीनों देशों पर हुआ हमला माना जाएगा। ऐसी स्थिति में अन्य सदस्य देश सैन्य और अन्य उपलब्ध साधनों के जरिए तुरंत मदद करेंगे।

यह रक्षा समझौता ऐसे समय में बेहद महत्वपूर्ण हो गया है जब ईरान, पश्चिमी देशों और इजरायल के बीच युद्ध जारी है तथा मिडिल ईस्ट में तनाव लगातार बढ़ रहा है। इस संवेदनशील माहौल के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने इस महीने दूसरी बार तेहरान का दौरा किया है। इस कूटनीतिक यात्रा में उनके साथ सऊदी अरब के रक्षा मंत्री शहजादा खालिद बिन सलमान और तुर्की के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कलिन भी शामिल रहे।

इजरायल में उड़ा मजाक कहा- भारतीय चाटते हैं गोमूत्र

मजाक के बाद भारत और इजरायल में मचा बवाल...

● तेलअवीव

इजरायली-अमेरिकी रब्बी योसी मिजराही हिंदुओं की धार्मिक मान्यताओं और गाय की पूजा को लेकर दिए गए अपने एक बेहद आपत्तिजनक बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवादों में घिर गए हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने हिंदुओं की परंपराओं का उपहास उड़ाने के साथ-साथ भारतीय डॉक्टरों पर भी अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। इस वायरल वीडियो के सामने आने के बाद भारत और इजरायल दोनों ही देशों के लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है और सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है।



वायरल वीडियो में मिजराही एक भारतीय व्यक्ति का जिक्र करते हुए नजर आते हैं, जो मरीज नई दिल्ली के किसी अस्पताल में डॉक्टर के पास जाता है, तो संभव है कि उस डॉक्टर ने भी पिछली रात गाय का मूत्र पिया हो। वीडियो के अंत में उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि वह भगवान का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्हें भारतीयों जैसा नहीं बनाया गया।

रब्बी मिजराही के इस नस्लवादी और आपत्तिजनक बयान पर इजरायल के शोधकर्ता और लेखक येशाया रोसेनमैन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारत में अध्ययन करने वाले रोसेनमैन ने कहा कि इस तरह के बयानों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल की प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में मिजराही के इजरायल में प्रवेश पर भी रोक लगाई जा सकती है, जैसा कि कथित तौर पर उनके फेसबुक पेज के लिए काम करता था और यहूदी धर्म अपनाना चाहता था। इसी संदर्भ में उन्होंने भारत में गाय की पूजा की परंपरा का मजाक उड़ाते हुए दावा किया कि कुछ हिंदू गाय को घर के अंदर लाते हैं और उसके फर्श पर मूत्र करने के बाद उसे चाटते हैं। उन्होंने यहां तक दावा किया कि लोग फार्मेसी से गाय का मूत्र खरीदते हैं। इसके अलावा, भारतीय डॉक्टरों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई उनके पिछले विवादों को लेकर अन्य देशों में भी देखने को मिला था। वहीं, भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम अबू शावेश ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किसी भी धर्म के खिलाफ नफरत फैलाना और धार्मिक मान्यताओं का मजाक उड़ाना पूरी मानवता की बुनियाद के लिए बड़ा खतरा है। गौरतलब है कि इजरायल में जन्मे और अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोडॉक्स यहूदी धर्म प्रचारक योसी मिजराही पहले भी कई बार अपने विवादित बयानों के चलते आलोचनाओं का सामना कर चुके हैं। दिसंबर 2015 में उन्होंने होलोकॉस्ट में मारे गए यहूदियों की संख्या को लेकर विवादित दावा किया था, जिसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो. : 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com

+ c m y k